E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 05 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 19 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

दिल्ली: जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके पर स्याही फेंकी गई

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट और शिक्षाविद सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाए जाने के बाद शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान अभिजीत दीपके पर एक महिला ने स्याही जैसा तरल पदार्थ फेंका। इस घटना से कार्यक्रम में थोड़ी देर के लिए बाधा उत्पन्न हुई, क्योंकि दीपके पर स्याही फेंके जाने के बाद समर्थक मंच की ओर दौड़ पड़े और हंगामा मच गया। महिला की पहचान और घटना के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस द्वारा घटना की जांच किए जाने की उम्मीद है।

यह घटना दीपके द्वारा वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाए जाने के विरोध में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा के तुरंत बाद हुई। इस घोषणा के बाद समर्थक इकट्ठा हुए, जहां यह घटना घटी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 6 जून से प्रदर्शन कर रहे लोग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हो गए, जिन्होंने 28 जून को विरोध स्थल पर आधिकारिक तौर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी।

इस बीच, दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक को शनिवार सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह कदम दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों और चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह के अनुपालन में उठाया गया।

पुलिसकर्मी सुबह विरोध स्थल पर पहुंचे और वहां जमा हुए सीजेपी कार्यकर्ताओं और जनता के नारेबाजी और विरोध के बीच वांगचुक को अस्पताल ले गए। इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए दीपके ने कहा कि विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा, और उन्होंने पुलिस पर वांगचुक को जबरन घटनास्थल से हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उन्होंने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इसी दौरान समर्थकों के बीच से एक महिला निकली और उसने सीजेपी के संस्थापक पर स्याही फेंक दी। घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने का प्रयास किया। कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल जरूर बना, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने समर्थकों को समझाकर स्थिति सामान्य कर दी।

घटना के दौरान किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे घटनाक्रम की जांच की जाएगी और मौके पर मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा सकते हैं। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों तथा उपलब्ध वीडियो फुटेज की भी जांच की जाएगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि महिला ने किस उद्देश्य से यह कदम उठाया और क्या वह अकेले आई थी या किसी के साथ थी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। चिकित्सा विशेषज्ञ उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अस्पताल की ओर से उनकी स्थिति को लेकर समय-समय पर आवश्यक चिकित्सीय जानकारी साझा किए जाने की संभावना है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखने की बात कही और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने पर जोर दिया। वहीं प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस घटनाक्रम को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

सोनम वांगचुक के शरीर में डिहाइड्रेशन और बढ़ते कीटोन के संकेत, इलाज से किया इनकार

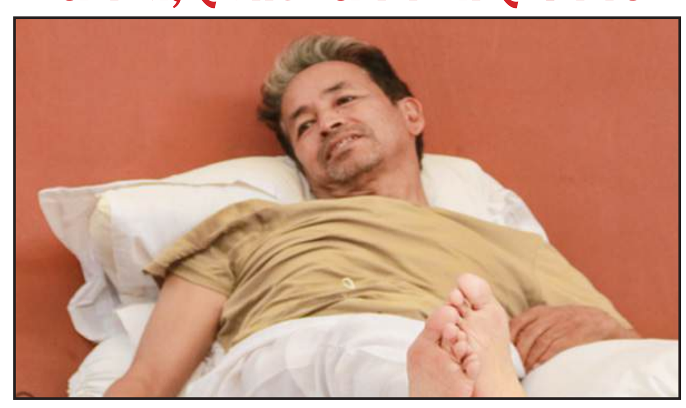

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ने शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर नया मेडिकल बुलेटिन जारी किया। अस्पताल के अनुसार, वांगचुक में डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण), कॉम्पेन्सेटेड एसिडोसिस, सीरम पोटैशियम का स्तर कम होने और यूरिन में कीटोन का स्तर बढ़ने के संकेत मिले हैं।

हालांकि उन्होंने इंट्रावेनस (आईवी) फ्लूइड, ओरल रीहाइड्रेशन फ्लूइड और दवाएं लेने से इनकार कर दिया है। अस्पताल के मुताबिक, भर्ती के समय वांगचुक पूरी तरह होश में थे और उनकी नाड़ी, रक्तचाप तथा ऑक्सीजन स्तर सामान्य था, लेकिन जांच में शरीर में पानी की कमी, कॉम्पेन्सेटेड एसिडोसिस, सीरम पोटैशियम में कमी और रक्त शर्करा का स्तर 78 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर पाया गया। मेडिकल बुलेटिन में कहा गया कि भर्ती के समय यूरिन में कीटोन का स्तर 1+ था, जो दोपहर एक बजे तक बढ़कर 3+ हो गया। अस्पताल ने बताया, 'मरीज को आईवी फ्लूइड देने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने सभी प्रकार के आईवी फ्लूइड, ओरल रीहाइड्रेशन फ्लूइड और अन्य दवाएं लेने से इनकार कर दिया। उनकी लगातार निगरानी की जा रही है और बेहतर स्वास्थ्य के हित में उन्हें इलाज के लिए समझाया जा रहा है।' वांगचुक ने 28 जून से औपचारिक रूप से आमरण अनशन शुरू किया था।

पिछली सरकारें अभी होतीं तो बंद हो गया होता यूपी का चीनी उद्योग- सीएम योगी

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले विकास, औद्योगिक निवेश व किसानों को गन्ना भुगतान संभव नहीं था। 2007 से 2017 के बीच सरकारों ने 29 चीनी मिलों को बंद किया था और 21 चीनी मिलों को औने-पौने दाम पर बेच दिया था। यदि वे सरकारें अभी होतीं तो अब तक यूपी का चीनी उद्योग बंद हो चुका होता। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार 122 चीनी मिलों का संचालन कर रही है। 3.23 लाख करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। गन्ना मूल्य भी बढ़कर 400 रुपये प्रति कुंतल हो गया है। यूपी अब चीनी, गन्ना, एथेनॉल उत्पादन करने वाला नंबर-वन राज्य है। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला में अमरोहा व धनौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए 207 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर जनपद के आध्यात्मिक इतिहास व महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरोहा को अब कोई पिछड़ा नहीं कहेगा। इसने हस्तशिल्प व कारीगरी के माध्यम से दुनिया में अपना लोहा मनवाया है।

विक्रम-1 भारत की स्पेस इकोनॉमी को देगा नई ऊंचाई, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

गांधीनगर। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस के पहले ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 ने अपने पहले ही मिशन में सफलता हासिल करते हुए तय समय पर सैटेलाइट को पृथ्वी से 450 किलोमीटर ऊंचाई पर निर्धारित कक्षा (ऑर्बिट) में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इस उपलब्धि को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। इसरो अहमदाबाद के पूर्व निदेशक निलेश एम. देसाई ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि 18 जुलाई 2026 को रात 12:05 बजे स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 लॉन्च व्हीकल का सफल प्रक्षेपण किया गया। लॉन्च के करीब 16 मिनट 20 सेकंड बाद, यानी लगभग 12:21 बजे, इसने अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए सैटेलाइट को 450 किलोमीटर की निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। निलेश देसाई ने कहा, 'यह सिर्फ एक सफल लॉन्च नहीं, बल्कि देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है।' देसाई ने आगे आईएएनएस से कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद वर्ष 2020 में केंद्र सरकार द्वारा किए गए अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों का उद्देश्य भारत की वैश्विक स्पेस इकोनॉमी में हिस्सेदारी बढ़ाना था। उस समय भारत की हिस्सेदारी करीब 1.71 प्रतिशत थी, जिसे पहले 5 प्रतिशत और आगे चलकर 10 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि विक्रम-1 की सफलता इसी दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है। विक्रम-1 के प्रक्षेपण से पहले भी निलेश देसाई ने इसे भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया था। उन्होंने कहा था कि स्काईरूट एयरोस्पेस का यह लॉन्च भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनियों के लिए एक नई शुरुआत साबित होगा। उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ एक रॉकेट लॉन्च नहीं, बल्कि भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग की क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक होगा।

ईरान का दावा, 'जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना, पहुंचाया भारी नुकसान'

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को दावा किया कि उसने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और केंद्रों पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले किए हैं।

ईरानी समाचार एजेंसी 'सेपाह' के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने जॉर्डन के अल-अजराक स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला किया। ईरान ने दावा किया कि इस कार्रवाई में लड़ाकू विमानों के शेल्टर और पार्किंग रैंप को निशाना बनाया गया और करीब दो लड़ाकू विमान और तीन अन्य अमेरिकी सैन्य विमान नष्ट हो गए, जबकि कुछ अन्य को भी भारी नुकसान पहुंचा। एक अन्य बयान में आईआरजीसी ने कहा कि शुक्रवार रात उसकी नौसेना ने कुवैत के बंदर अल-अहमदी स्थित अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति डॉक और बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी सैन्य केंद्रों को निशाना बनाया।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी का 85 वर्ष की उम्र में निधन

बेंगलुरु। बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा (85) का शनिवार को निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से सांस लेने में गंभीर दिक्कतों के कारण अस्पताल में इलाज करा रही थीं। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, हार्ट अटैक के बाद शाम करीब 4 बजे चेन्नम्मा का निधन हो गया। परिवार ने अभी तक अंतिम संस्कार की जगह के बारे में कोई फैसला नहीं किया है। देवेगौड़ा परिवार के सदस्यों ने संकेत दिया है कि अंतिम संस्कार पूर्व प्रधानमंत्री के गृह जिले हासन में करने का फैसला लिया जा सकता है। भाजपा कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने चेन्नम्मा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। एक शोक संदेश में विजयेंद्र ने कहा कि चेन्नम्मा ने देवेगौड़ा के पूरे राजनीतिक सफर में उनका साथ देने में अहम भूमिका निभाई और उनके सार्वजनिक जीवन और उपलब्धियों में अमूल्य योगदान दिया।

आमिर खान को बिश्नोई गैंग से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट हो गई है। क्राइम ब्रांच ने आमिर खान की टीम से बातचीत की। मुंबई क्राइम ब्रांच मुख्य रूप से यह पता करना चाहती है कि यह धमकी आमिर खान या उनकी टीम को सीधे तौर पर मिली है या फिर सोशल मीडिया या खबरों के जरिए ही जानकारी मिली। खबरों के मुताबिक, आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से पुलिस से कोई संपर्क नहीं किया गया है और न ही अभी तक कोई शिकायत दर्ज करवाई गई है। वहीं, महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें भी इस बात की जानकारी प्राप्त हुई। गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने यह भी स्पष्ट किया कि आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज करवाई गई है, लेकिन पुलिस ने सुओमोटो के तहत मामले की जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, 'आमिर खान को पहले से ही सुरक्षा मिली हुई है (एक पुलिस वाला साथ में है), लेकिन इस घटना के बाद उनकी सुरक्षा का रिव्यू लेकर आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जाएगा। हमने उनके घर पर पुलिस का विजिलेंस बढ़ा दिया है। बिश्नोई गैंग लोगों को धमकी देकर सिर्फ वसूली करने का प्रयास करते हैं, हमारी पुलिस ऐसे मामलों में तुरंत एक्शन लेती है।' उन्होंने बताया कि अनमोल (गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई) को भारत वापस जल्द ही लाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आमिर खान भी इस समय भारत में नहीं है। वापस आने के बाद उनसे संपर्क किया जाएगा। किसी को भी इस बात पर घबराने की जरूरत नहीं है। मुंबई पुलिस हर तरह से सक्षम है। वह अभी मामले की जांच कर रही है।'

खबरों के मुताबिक, यह धमकी उनकी हालिया शादी और उससे जुड़ी व्यक्तिगत पसंद को लेकर दी गई है, जिसे धमकी देने वालों ने सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध बताया है। मुंबई पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़ी सभी सूचनाओं का सत्यापन किया जा रहा है। यदि धमकी से संबंधित कोई प्रत्यक्ष संदेश, कॉल, ईमेल या सोशल मीडिया पोस्ट सामने आती है, तो उसकी तकनीकी जांच कर संबंधित स्रोत का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। साइबर सेल सहित अन्य एजेंसियों को भी आवश्यकतानुसार जांच में शामिल किया जा सकता है। पुलिस का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को धमकी मिलने से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाता है। यदि जांच के दौरान किसी प्रकार के आपराधिक तत्व या संगठित गिरोह की संलिप्तता के प्रमाण मिलते हैं, तो संबंधित कानूनी धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा भी की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल आमिर खान या उनकी टीम की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। फिलहाल पूरे मामले पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर बनी हुई है।

रिलायंस एडीए ग्रुप घोटाला: सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, मुंबई और दिल्ली में 15 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

मुंबई। अनिल डी. अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए (ADA) ग्रुप से जुड़े वित्तीय घोटालों के मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आज एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई ने 18 जुलाई 2026 को रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (RCFL) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (RHFL) के खिलाफ दर्ज मामलों के सिलसिले में देश के दो बड़े महानगरों—मुंबई और दिल्ली में 15 अलग-अलग परिसरों पर एक साथ सघन तलाशी अभियान (छापेमारी) चलाया।

सीबीआई के इस बड़े सर्च ऑपरेशन के दायरे में रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़ी 23 अंतर्संबंधित (Interlinked) संस्थाएं आईं। आरोप है कि इन कंपनियों का इस्तेमाल आरसीएफएल (RCFL) और आरएचएफएल (RHFL) द्वारा सरकारी बैंकों से उधार लिए गए फंड को रिलायंस एडीए ग्रुप की अन्य कंपनियों में डायवर्ट (स्थानांतरित) करने के लिए एक माध्यम या मुखौटा (Conduit) के रूप में किया गया था। इस हेराफेरी से कर्ज देने वाले बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

कंपनियों के अलावा, सीबीआई की टीमों ने रिलायंस ग्रुप के तीन पूर्व शीर्ष अधिकारियों के परिसरों की भी तलाशी ली, जिनमें शामिल हैं:

रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (RHFL) के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO)

रिलायंस एडीए ग्रुप के पूर्व सेक्रेटेरियल हेड (सचिवालय प्रमुख)

रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (RHFL) के पूर्व मुख्य ट्रेजरी सलाहकार (Chief Treasury Consultant)

सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई मुंबई स्थित विशेष सीबीआई अदालत के माननीय न्यायाधीश द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई है। इस सघन तलाशी अभियान के दौरान सीबीआई ने भारी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। इन सभी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) और भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) से मिली शिकायतों के आधार पर सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (RCom), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (RHFL), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (RCFL) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (RTL) के खिलाफ कुल 7 एफआईआर दर्ज की हैं।

केदारनाथ मार्ग पर बढ़ा भूस्खलन का खतरा, रेड अलर्ट पर रोकी जा सकती है यात्रा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय होने के साथ ही केदारनाथ धाम समेत पूरी केदार घाटी और रुद्रप्रयाग जिले के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। लगातार वर्षा के कारण केदारनाथ हाईवे और पैदल यात्रा मार्ग पर भूस्खलन तथा पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

संभावित आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें संवेदनशील स्थानों पर तैनात कर दी गई हैं। वहीं जिला आपदा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे हालात पर नजर बनाए हुए है। जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि मानसून के दौरान केदारनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी है, लेकिन मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है।

यदि मौसम विभाग की ओर से रेड अलर्ट जारी किया जाता है या किसी स्थान पर भूस्खलन का गंभीर खतरा उत्पन्न होता है तो यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यात्रा को कुछ समय के लिए रोका भी जा सकता है। उन्होंने जानकारी दी कि बीती शाम और रात गौरीकुंड से चिरबासा के बीच तथा चिरबासा क्षेत्र में कई स्थानों पर पत्थर गिरने और भूस्खलन की घटनाएं हुई थीं।

संपादकीय

मुगलकाल के ये बेजोड़ शाहकार आपका मन मोह लेंगे

भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास सदियों पुरानी संस्कृतियों, साम्राज्यों और उनकी अमिट विरासतों का गवाह रहा है। यहाँ मुगलों और अंग्रेजों ने कई शताब्दियों तक शासन किया। समय के चक्र के साथ मुगलों के साम्राज्य का अंत अंग्रेजों ने किया, लेकिन पराधीन भारत के इस दौर में इन दोनों ही शासकों ने देश के बुनियादी और सांस्कृतिक ढांचे को भी प्रभावित किया। विशेषकर मुगल काल में भवन निर्माण, वास्तुकला और चित्रकला की शैली ने विकास के नए आयाम छुए।

आज के भारत में मुगलों द्वारा निर्मित कई ऐसी इमारतें और स्मारक हैं, जिन्हें यूनेस्को (UNESCO) ने 'विश्व धरोहर' के रूप में संरक्षित किया है। इन ऐतिहासिक धरोहरों की भव्यता को निहारने के लिए हर साल देश-विदेश से पर्यटकों का भारी हुजूम उमड़ पड़ता है। इतिहास और कला के पारखी इन स्थानों को देखे बिना भारत की यात्रा को अधूरा मानते हैं। आइए, आज हम आपको मुगल काल और उसके समकालीन दौर में बने कुछ ऐसे ही चुनिंदा और भव्य मकबरों की सैर पर ले चलते हैं, जो सदियों बाद भी शान से खड़े हैं और अपनी खूबसूरती का लोहा मनवा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर आगरा के समीप सिकंदरा में स्थित सम्राट अकबर का मकबरा सैलानियों के आकर्षण का एक बड़ा केंद्र है। इस भव्य मकबरे की योजना खुद अकबर ने बनाई थी और इसका निर्माण साल 1605 में शुरू करवाया था।

राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने शाकम्बरी माता के दर्शन किए

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सीकर स्थित शाकम्बरी माता के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर सभी के मंगल की कामना की। दर्शन के उपरांत राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा मंदिर प्रशासन से श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

सीएम भजनलाल शर्मा ने साइबर क्राइम कंट्रोल को लेकर उच्च अधिकारियों की बैठक ली

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर क्राइम कंट्रोल को लेकर उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम को पूरी तरह कंट्रोल करने और सभी तरह की सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इससे पहले उन्होंने आर 4 सी (राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर) का अवलोकन किया और साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 1930 की कार्यप्रणाली को भी समझा। मुख्यमंत्री ने स्वयं 1930 हेल्पलाइन पर एक पीड़ित की समस्या को सुना। साथ ही, समस्या को दर्ज करने एवं उसे संबंधित थाने और बैंक को डिस्पैच करने की प्रणाली की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डेशबोर्ड का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अत्याधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाए और बदलते साइबर अपराध के तरीकों के अनुरूप पुलिस बल की क्षमता को लगातार विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध भी नए स्वरूप में सामने आ रहे हैं, इसलिए समयबद्ध कार्रवाई और तकनीकी दक्षता बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के मामलों में पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद संबंधित बैंक, वित्तीय संस्थानों और जांच एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर संदिग्ध लेन-देन को रोकने तथा पीड़ितों को राहत दिलाने के प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता अभियान को और व्यापक बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आमजन को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर ठगी, ओटीपी और केवाईसी से जुड़े साइबर फ्रॉड जैसे मामलों के प्रति लगातार जागरूक करना जरूरी है, ताकि लोग सतर्क रहकर ऐसे अपराधों से बच सकें। बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, शिकायतों के त्वरित निस्तारण, तकनीकी संसाधनों के विस्तार तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को साइबर अपराध नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही प्रक्रियाओं, नवीन तकनीकों और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी दी।

शिक्षा, संस्कार और भारतीय ज्ञान परंपरा हैं विकसित भारत की सशक्त आधारशिला - राज्यपाल

सीकर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नीट-2026 के परिणामों में राजस्थान का प्रदर्शन देश के अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत उत्कृष्ट रहा है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था अच्छी है, फिर भी इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेंगे तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जिला सीकर (जयपुर प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में 'शेखावाटी ज्ञान सभा' का आयोजन किया गया।

उदयपुर पुलिस का महिला सुरक्षा संकल्प अभियान : SP डॉ. अमृता दुहन ने खुद संभाली कमान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। राजस्थान के महानिदेशक पुलिस के निर्देशानुसार प्रदेशभर में महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए 1 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक 'महिला सुरक्षा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार, 18 जुलाई 2026 को जिला पुलिस अधीक्षक (SP) डॉ। अमृता दुहन के नेतृत्व में उदयपुर पुलिस ने जिले में दो विशेष और बेहद संवेदनशील कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। अभियान के तहत जहाँ एक तरफ कच्ची बस्तियों में महिला श्रमिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया गया, वहीं दूसरी तरफ पुलिस टीमों ने अकेले रह रहे बुजुर्गों के घर जाकर उनका कुशलक्षेम जाना।

कच्ची बस्तियों और स्लम क्षेत्रों में रहने वाली महिला श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशाल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 1000 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। शिकायत करने वाली महिला की पहचान रहेगी गुप्तः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी डॉ। अमृता दुहन ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ पुलिस सख्त है। महिलाएं बिना किसी डर या संकोच के पुलिस को अपनी समस्या बताएं; शिकायतकर्ता महिला की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इसके साथ ही पुलिस उप अधीक्षक नीतू सिंह ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी 'गुड टच-बैड टच' की जानकारी दी।

आदिवासी कांग्रेस सम्मेलन में गरजे सचिन पायलट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिला आदिवासी कांग्रेस के तत्वावधान में शहर के शहनाई मैरिज गार्डन में एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन शहनाई मैरिज गार्डन टोंक में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी और टोंक विधायक सचिन पायलट ने शिरकत की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उनके सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखे [cite: अपने उद्बोधन में आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-रखे]। सरकार द्वारा किए जा रहे विकास के दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही है और उनके दावों की पोल खुल रही है।

परमवीर पीरू सिंह का 78वां बलिदान दिवस शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया: 51 वीरांगनाओं और वीर सपूतों के परिजनों का हुआ भव्य सम्मान

यह शौर्य दिवस इस संकल्प के साथ संपन्न हुआ कि पीरू सिंह जी का बलिदान युवाओं को मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

जयपुर, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। वीरों की जननी कहलाने वाली झुंझुनूं की धरती ने शनिवार को एक बार फिर अपने अमर सपूत, देश के सर्वोच्च वीरता सम्मान 'परमवीर चक्र' से अलंकृत (मरणोपरांत) कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत को पूरे सम्मान और गर्व के साथ नमन किया। राजस्थान के प्रथम परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद पीरू सिंह का 78वां बलिदान दिवस शहर में 'शौर्य दिवस' के रूप में पूरी गरिमा के साथ मनाया गया। लायंस क्लब के तत्वावधान में झुंझुनूं शहर स्थित शहीद पीरू सिंह सर्किल पर उनके स्मारक पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद शहीद स्मारक पर एक भव्य शौर्य दिवस समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. डी.एन. तुलसन, पूर्व सैनिकों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने पुष्प अर्पित कर राष्ट्र के इस अमर वीर को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले और अदम्य साहस का परिचय देने वाले वीरों के परिवारों का सम्मान किया गया। इनमें शहीद हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत के परिजनों के साथ-साथ कीर्ति चक्र विजेता महेंद्र सिंह और वीर चक्र विजेता कैप्टन अयूब खान के परिजनों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा 51 वीरांगनाओं को भी मंच पर शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके त्याग, समर्पण और राष्ट्र के प्रति उनके अप्रत्यक्ष योगदान के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की गई।

समारोह में वक्ताओं ने दिए प्रेरणादायक संदेश (प्रमुख भाषण)

» युवा सैनिकों को अपना आदर्श मानें, अपराधियों को नहीं: यशवर्धन सिंह शेखावत

समारोह को संबोधित करते हुए यशवर्धन सिंह शेखावत ने युवाओं को एक कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'आज के युवा वर्ग को यह तय करना होगा कि उनके असली हीरो कौन हैं। हमारे आदर्श वो वीर सैनिक होने चाहिए जो देश के लिए छाती पर गोली खाते हैं, न कि कोई अपराधी या समाजकंटक।' इसके साथ ही उन्होंने आधुनिक समय की चुनौतियों, विशेषकर साइबर क्राइम और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए खतरों से बचने के लिए भी विस्तार से टिप्स दिए और लोगों को जागरूक किया।

» फौज की तरह समाज से भी खत्म हो जातिवादः शौर्य चक्र विजेता ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) जितेंद्र सिंह शेखावत

शौर्य चक्र विजेता ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) जितेंद्र सिंह शेखावत ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में 'यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन' के चेयरमैन मेघराज सिंह रॉयल के विजन को साझा किया। उन्होंने कहा, 'जिस तरह भारतीय सेना में कोई जातिवाद नहीं होता, वहां सिर्फ एक ही धर्म होता है- देशप्रेम, ठीक उसी तरह हमें अपने समाज से भी जातिवाद की जड़ों को खत्म करना होगा। फाउंडेशन का विजन है कि हमारा पर्यावरण शुद्ध हो, हर हाथ को रोजगार मिले और समाज में एकता हो।' उन्होंने इस अवसर पर पूर्व सैनिकों (Ex-Servicemen) के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि फाउंडेशन द्वारा पूर्व सैनिकों को आरएएस (RAS) मेन्स परीक्षा के लिए विशेष कोचिंग भी करवाई जाएगी, ताकि वे प्रशासन में भी अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें।

» पूर्व आईएएस राजेंद्र सिंह शेखावत ने भी समारोह को संबोधित करते हुए वीरों की इस भूमि को नमन किया। उन्होंने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं हैं, वे अपने विचारों और अपनी शौर्य गाथाओं के रूप में आने वाली पीढ़ियों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं।

» जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने अपने संबोधन में कहा, 'झुंझुनूं की मिट्टी की तासीर ही ऐसी है जिसने हमेशा देश को वीर सपूत दिए हैं। परमवीर पीरू सिंह शेखावत उस गौरवशाली परंपरा के सबसे उज्ज्वल नक्षत्र हैं। उनका अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।' कार्यक्रम का शानदार और ऊर्जावान संचालन सुल्तान खान द्वारा किया गया।

टीथवाल के रणबांकुरे का अदम्य साहस, जिसे कभी नहीं भूलेगा देश

झुंझुनूं जिले के बेरी गाँव में 20 मई 1918 को जन्मे पीरू सिंह शेखावत वर्ष 1936 में भारतीय सेना की 6 राजपूताना राइफल्स में भर्ती हुए थे। वर्ष 1948 के भारत-पाक युद्ध के दौरान जम्मू-कश्मीर के टीथवाल सेक्टर में उन्होंने अपने प्राणों की बाजी लगा दी थी। 18 जुलाई 1948 को दुश्मन के मजबूत बंकरों पर हमला करते हुए चेहरे पर ग्रेनेड फटने और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे रुके नहीं।

लहूलुहान अवस्था में भी उन्होंने कई पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और तीसरे बंकर पर कब्जा करते समय सिर में गोली लगने से वीरगति को प्राप्त हुए। उनके इसी सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से नवाजा गया।

अंडमान में द्वीप का नामकरण है ऐतिहासिक सच्ची श्रद्धांजलि

वक्ताओं ने इस बात पर भी गर्व महसूस किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के 21 अनाम द्वीपों में से एक द्वीप का नाम 'पीरू सिंह द्वीप' रखा गया है, जो राष्ट्र की ओर से इस अमर बलिदानी को एक ऐतिहासिक और चिरस्थायी श्रद्धांजलि है।

स्वामी टेऊराम महाराज के जन्मोत्सव पर निकली भव्य प्रभातफेरी, 38 दिनों से जारी उत्सव का कल होगा दिव्य समापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। शहर में आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस पावन अवसर पर रामद्वारा संत रामजी महाराज, संत कोमल राम महाराज और स्वामी तुलसीदास के पावन सानिध्य में एक भव्य प्रभातफेरी निकाली गई। इस प्रभातफेरी में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ शामिल हुए। राष्ट्रीय सिंधु सेना राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश बदलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रेम प्रकाश मंडली के सानिध्य में यह जन्मोत्सव पिछले 38 दिनों से निरंतर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के तहत शनिवार को एक विशाल अन्नक्षेत्र (भंडारा) लगाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं और आमजन को पुलाव प्रसादी, शरबत तथा फल-फ्रूट का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस 40 दिवसीय धार्मिक उत्सव का समापन रविवार को दिव्य सत्संग और आम भंडारे के साथ संतों के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। इस भव्य प्रभातफेरी और धार्मिक कार्यक्रम में कैलाश बदलानी, डॉक्टर कन्हैया लाल बदलानी, कशिश और निधि मालवानी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने मनाया 62वां स्थापना दिवस, आत्म दीपो भव के संकल्प को दोहराया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राजस्थान के अग्रणी शिक्षण संस्थान, कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने शनिवार, 18 जुलाई 2026 को अपना 62वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय की स्थापना 19 जुलाई 1965 को स्वर्गीय भागीरथ कानोड़िया द्वारा की गई थी। स्थापना दिवस के इस भव्य समारोह में एडिशनल डीसीपी साउथ व कालिका इंचार्ज रानू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कॉलेज की पिछले छह दशकों की शानदार उपलब्धियों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय आज भी छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके बाद महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने कॉलेज के ध्येय वाक्य 'आत्म दीपो भव' का उल्लेख किया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, आत्मबोध और आत्मप्रेरणा ही व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने छात्राओं को अपनी कल्पनाओं को उड़ान देने और स्वयं के व्यक्तित्व का निरंतर विकास करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन से छात्राओं में ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समाज और मन, दोनों के बनाए बंधनों को तोड़ना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन की यात्रा साझा करते हुए बताया कि सफलता किसी एक बड़े प्रयास का परिणाम नहीं होती, बल्कि छोटे-छोटे निरंतर कदम ही व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुँचाते हैं। उन्होंने अपनी हर उपलब्धि में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. आँचल पुरी ने किया। इस गौरवमयी आयोजन में महाविद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी, सदस्य, समस्त प्राध्यापिकाएँ और लगभग 600 छात्राएँ उत्साहपूर्वक उपस्थित रहीं।

राजस्थान/ प्रादेशिक

जैसलमेर जिले में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष फोकस दें अधिकारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जैसलमेर। केन्द्रीय पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीमावर्ती जैसलमेर जिले में आमजन को निर्बाध पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन और संबंधित विभागों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी रखते हुए लोगों तक समय पर पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराया जाए एवं विद्युत आपूर्ति को भी सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। शुक्रवार को अपने एक दिवसीय जैसलमेर प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने जिले की पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं राहत प्रबंधन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए विभागीय अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि किसी भी क्षेत्र में आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े।

जापान में भारतीय दूतावास ने आयोजित की भव्य रथयात्रा, इस्पेक जापान चैप्टर की रही सक्रिय भागीदारी

जयपुर, थिंक राजस्थान

टोक्यो/जयपुर। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सनातन धर्म की पावन गूंज अब सात समंदर पार जापान की राजधानी टोक्यो में भी सुनाई दे रही है। गुरुवार को टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास के विवेकानंद कल्चरल सेंटर में ओडिशा समुदाय की ओर से आयोजित 'जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव' में भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिली। इस भव्य आयोजन में भारत, जापान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई देशों के श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित इस्पेक (ISPEC) जापान चैप्टर ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। भारतीय राजदूत ने निभाई 'छेरा पहरा' की पावन रस्म इस्पेक के राष्ट्रीय प्रभारी प्यारे लाल शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस महोत्सव की मुख्य अतिथि जापान में भारत की राजदूत सुश्री नगमा मोहम्मद मलिक रहीं।

पारंपरिक शुरुआतः राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

रथ को खींचाः इसके बाद उन्होंने पुरी की ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार स्वर्ण झाड़ू से 'छेरा पहरा' (रथ बुहारने) की पावन रस्म अदा की। उन्होंने मंच पर सुसज्जित रथ को रस्सी से खींचकर सांकेतिक रूप से जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ किया। इस पावन क्षण के दौरान पूरा कल्चरल सेंटर परिसर "जय जगन्नाथ" के गगनभेदी जयघोष से सराबोर हो उठा। इस सांस्कृतिक महोत्सव में इस्पेक जापान चैप्टर के पदाधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई-इस्पेक जापान चैप्टर के अध्यक्ष राज शर्मा ने विशिष्ट अतिथियों के साथ मंच साझा कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

आभार व्यक्त कियाः चैप्टर के उपाध्यक्ष नितिन तिवारी ने इस सफल और भव्य आयोजन के लिए भारतीय दूतावास तथा टोक्यो के ओडिशा समुदाय के आयोजकों का सहृदय आभार व्यक्त किया। जापानी व विदेशी नागरिकों को समझाया महत्वः संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष मनोज गौड़ तथा फाउंडर मेंबर नीतिश शर्मा ने वहां मौजूद श्रीलंका के राजदूत के परिवार और जापानी नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने विदेशी मेहमानों को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के गहरे धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व से विस्तार से परिचित कराया।

नगरपालिका के वार्ड 16 में पेयजलापूर्ति के लिए पाइप लाइन डलवाने की मांग, प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया

रूपवास (भरतपुर)। नगरपालिका के वार्ड 16 के लोगों ने प्रदर्शन कर उपखण्ड अधिकारी विष्णु बंसल के नाम दे वार्ड में पेयजलापूर्ति के लिए पाइप लाइन डलवाने की मांग की है। शुक्रवार को वार्ड 16 के लोग सिंघावली मार्ग पर प्रदर्शन कर उपखण्ड कार्यालय पहुंचे। जहां उपखण्ड अधिकारी विष्णु बंसल के नहीं मिलने पर नायब तहसीलदार को उपखण्ड अधिकारी विष्णु बंसल के नाम का ज्ञापन दिया। वार्ड के लोगों ने ज्ञापन में लिखा कि एक वर्ष पूर्व गंगा मंदिर कालौनी व वनखण्डेश्वर कालौनी स्थित वार्ड 16, 17 व 18 में पेयजलापूर्ति समस्या को लेकर पाइप लाइन डलवाने की मांग की थी। जिस पर राज्य सरकार ने इन तीनों वार्डों में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन डलवाने को लेकर 93 लाख 81 हजार रुपए शैंशन कर दिए।

दौसा में दूसरे दिन भी स्कूल पर ताला : गगवाना में शिक्षकों की कमी को लेकर ग्रामीणों का गेट पर धरना जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा/महवा। दौसा जिले के महवा उपखंड के समीपवर्ती गगवाना गांव में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी का मुद्दा लगातार गरमाता जा रहा है।

विद्यालय में रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर ग्रामीणों और विद्यार्थियों का उग्र प्रदर्शन शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों द्वारा स्कूल के मुख्य द्वार पर जड़े ताले के कारण विद्यालय में पिछले दो दिनों से पढ़ाई पूरी तरह ठप पड़ी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल में लंबे समय से शिक्षकों के कई पद खाली चल रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य अंधकार में है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार को स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया था, जो शुक्रवार को भी बंद रहा। ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट के बाहर ही टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।

जोधपुर में आंगनबाड़ी बहनों की महारैली, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। राजस्थानभर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का आंदोलन गुरुवार को 17वें दिन भी जारी रहा। इसी क्रम में जोधपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने विशाल महारैली निकालकर अपनी एकजुटता और संघर्ष का परिचय दिया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचीं महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर सरकार से अपनी लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। महारैली का नेतृत्व संगठन की जिला अध्यक्ष सोनल चितारा ने किया। सुबह से ही जोधपुर शहर, शेरगढ़, आसोप, पीपाड़, लूणी, भोपालगढ़, ओसियां, बिलाड़ा, मंडोर, करू तथा फलोदी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं नई सड़क सर्कल पर एकत्रित होने लगीं। देखते ही देखते पूरा क्षेत्र महिलाओं के जनसैलाब से भर गया। महिलाओं ने नई सड़क सर्कल पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली ने किया 'सरगरा समाज के संत शिरोमणि पुस्तक का भव्य विमोचन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। श्री हनुमंत सेवा समर्पण के सान्निध्य एवं सरगरा समाज सरदारपुरा समिति, जोधपुर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ महोत्सव के समापन अवसर पर जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली ने शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता डॉ. भारती पंवार की शोधपरक पुस्तक "सरगरा समाज के संत शिरोमणि" का भव्य विमोचन किया।

राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य देव जोशी एवं संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित समारोह श्रद्धा और उत्साह का केंद्र रहा।

इस अवसर पर विधायक अतुल भंसाली ने कहा कि समाज की संत परंपरा, संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर को पुस्तकों के माध्यम से संरक्षित करना अत्यंत सराहनीय कार्य है।

उन्होंने कहा कि ऐसी कृतियां युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम बनती हैं। उन्होंने डॉ. भारती पंवार को इस महत्वपूर्ण शोध कार्य के लिए बधाई देते हुए समाज के लिए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

समारोह में राजेंद्र गिरी महाराज, प्रेमनाथ महाराज, सुरेश सिदल पूर्व चेयर मेन आबू रोड़, राकेश चौहान, प्रेमचंद चौहान, ज्ञानेश्वर परमार, कैलाशचंद्र, प्रेम प्रकाश भाटी, महेश सरगरा, मनीष सरगरा, सूरज सोलंकी सहित समाज के संत-महात्मा, गणमान्य नागरिक, महिला शक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आयोजन समिति ने इसे सरगरा समाज की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस का ऑपरेशन क्लीन : हरसौरा थाना पुलिस ने अल्टो कार से तस्करी की जा रही 20 पेटी अवैध शराब जब्त की

एजेंसी, थिंक राजस्थान

हरसौरा/कोटपूतली-बहरोड़। जिला कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करों के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। हरसौरा थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक अल्टो कार से तस्करी की जा रही 20 पेटी अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार करने के साथ ही परिवहन में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब की धरपकड़, भंडारण और खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कोटपूतली) नाजिम अली खान के निर्देशन तथा बानसूर वृत्ताधिकारी मनीषा मीणा (RPS) के सुपरविजन में हरसौरा थानाधिकारी प्रकाशसिंह राठौड़ (उप निरीक्षक) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित विशेष टीम ने मुखबिर तंत्र और सटीक आसूचना संकलन के आधार पर कड़ी मेहनत करते हुए आज, 17 जुलाई 2026 को एक संदिग्ध अल्टो कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार के भीतर से 20 पेटी अवैध देशी शराब (कुल 960 पव्वे) बरामद हुई। पुलिस ने मौके से शराब की खेप और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अल्टो गाड़ी को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। राजेन्द्र चौधरी उर्फ राजू (45 वर्ष) पुत्र रामेश्वर जाट, निवासी ततारपुर (थाना ततारपुर, जिला खैरथल-तिजारा, राजस्थान)।

जयकारों के साथ हुआ प्राचीन गोड़ी पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर का ध्वजा महोत्सव

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। भैरूबाग पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ द्वारा संचालित भीतरी शहर सिंघवियों का मोहल्ला नवचौकिया स्थित प्राचीन गोड़ी पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर का ध्वजा महोत्सव परमात्मा के गगनचुम्बी जयकारों के साथ सम्पन्न हुआ।

भैरूबाग तीर्थ के प्रवक्ता दिलीप जैन एवं सचिव आदेश्वर जैन ने बताया कि इस अवसर पर अनुयोगाचार्य आदर्शरत्नसागर महाराज के पावन सानिध्य में परमात्मा के स्नात्र पूजन, अष्ट प्रकारी पूजन एवं सत्तरभेदी पूजन का संगीतमय वातावरण में आयोजन किया गया। तीर्थ के उपाध्यक्ष प्रो. मांगीलाल वडेरा एवं डॉ महिपाल जैन ने बताया कि मंदिर शिखर पर श्रीमती रतन, प्रो. राजेंद्र, सोनिका, शैलेश, गरिमा, डॉ अभिषेक तातेड़, क्षितिज, कुशाग्र एवं विशाखा अमृत केसरी तातेड़ ने ध्वजा चढ़ाने का अवसर प्राप्त किया।

दौसा में भीषण अग्निकांड : सिकराय में कपड़े की दुकान में लगी आग, 10 से 15 लाख का सामान जलकर खाक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा/सिकराय। दौसा जिले के सिकराय कस्बे में गुरुवार देर रात एक कपड़े की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में दुकान में रखा करीब 10 से 15 लाख रुपये का कीमती कपड़ा और अन्य सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। दमकल विभाग की गाड़ी समय पर न पहुंचने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे पीड़ित दुकानदार को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों में प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात स्थानीय लोगों ने बंद दुकान से धुआं उठता हुआ देखा। अनहोनी की आशंका को देखते हुए लोगों ने तुरंत इसकी सूचना संबंधित दुकानदार, स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पाकर दुकानदार और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। जैसे ही दुकान का शटर खोला गया, ऑक्सीजन मिलते ही अंदर सुलग रही आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया और लपटें बाहर निकलने लगीं। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि उस पर काबू पाना नामुमकिन हो गया।

सिकराय में दमकल की सुविधा न होने के कारण काफी देर बाद पड़ोसी क्षेत्र से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पाया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और दुकान में रखा अधिकांश कपड़ा जलकर राख हो चुका था। हादसे में करीब 10 से 15 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। अपनी जीवनभर की कमाई को स्वाहा होते देख पीड़ित दुकानदार का रो-रोकर बुरा हाल था, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने ढांढस बंधाया।

अग्निकांड के कारणों का अभी तक पूरी तरह स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रथम दृष्टया बिजली के शॉर्ट सर्किट को ही आग लगने की मुख्य वजह माना जा रहा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मानपुर थाना पुलिस ने घटनाक्रम का जायजा लिया और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

भुसावर कृषि महाविद्यालय को मिली नई पहचान, राज्यपाल ने किया नए भवनों का लोकार्पण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर की अधीनस्थ इकाई कृषि महाविद्यालय, भुसावर में नवनिर्मित प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन, छात्रावास, कन्या छात्रावास एवं कैंटीन का भव्य लोकार्पण किया। इस अवसर पर कृषि, उद्यानिकी एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद्, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी और किसान मौजूद रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है और कृषि विश्वविद्यालय किसानों के भविष्य को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक भवन तभी सार्थक होंगे, जब यहां से निकलने वाले विद्यार्थी ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से समाज और कृषि क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, सहनशीलता और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने तथा रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने वाला बनने का आव्हान किया।

राज्यपाल ने कृषि शिक्षा से प्राप्त वैज्ञानिक जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाने पर बल देते हुए कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने स्टार्टअप, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया। समारोह की शुरुआत राज्यपाल के स्वागत, वृक्षारोपण और नवीन भवनों के लोकार्पण के साथ हुई। इसके बाद उन्होंने भवनों का निरीक्षण किया तथा महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित भुसावर एट ए ग्लांस का विमोचन किया।

पहले ही प्रयास में NEET में शानदार सफलता, नारेड़ा कलां की पूजा डहनवाल ने हासिल की ऑल इंडिया रैंक 632

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बहरोड़। बहरोड़ क्षेत्र के ग्राम नारेड़ा कलां की प्रतिभाशाली छात्रा पूजा डहनवाल ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) में अपने प्रथम प्रयास में ही एससी वर्ग में ऑल इंडिया रैंक 632 प्राप्त कर परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। पूजा, उमेश कुमार की पुत्री एवं मास्टर सुभाष चंद्र की पौत्री हैं। उन्होंने इसी वर्ष वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (12वीं) में भी 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय दिया था। अब NEET में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अपने सपनों को नई उड़ान दी है।

इस उपलब्धि पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी हीरालाल आर्य एवं पूर्व मैनेजर सुभाष मधुकर ने पूजा के निवास पर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उन्होंने पूजा को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूजा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवारजनों एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को देते हुए बताया कि उन्होंने प्रतिदिन 10 से 12 घंटे नियमित अध्ययन किया।

मनोरंजन समाचार

प्रियंका चोपड़ा बनीं 'मंदाकिनी', देसी गर्ल के बर्थडे पर SS राजामौली ने 'वाराणसी' से शेयर किया नया लुक

प्रियंका चोपड़ा मशहूर फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से इंडियन सिनेमा में धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में महेश बाबू भी मुख्य भूमिका में हैं। कुछ महीने पहले साड़ी पहनकर एक्शन करती हुई एक्ट्रेस का एक पोस्टर जारी किया गया था।

अब शनिवार, 18 जुलाई 2026 को देसी गर्ल के 44वें जन्मदिन पर राजामौली ने एक और धांसू लुक शेयर किया है। मेकर्स ने फिल्म से उनकी दो नई तस्वीर शेयर की, जो सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फैंस को प्रियंका चोपड़ा का 'मंदाकिनी' लुक बहुत पसंद आ रहा है। डायरेक्टर एसएस राजामौली ने प्रियंका चोपड़ा की, जो दो तस्वीरें शेयर कीं। उसमें से एक में वह ब्लैक आउटफिट में गुस्से में दिख रही हैं, जबकि दूसरी में वह मुस्कुराती और खुशी से नाचती हुई नजर आ रही हैं। राजामौली ने सोशल मीडिया पर नई तस्वीर और एक बिहाइंड-द-सीन्स इमेज शेयर करते हुए लिखा, 'मुस्कुराते समय ग्रेस। न मुस्कुराने पर आग। मंदाकिनी... #Varanasi में @PriyankaChopra।' इसके

पहले महेश बाबू का लुक सोशल मीडिया पर चर्चा में था। जैसे ही प्रियंका की तस्वीर सामने आई। सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके नए लुक पर जमकर प्यार लुटाया। एक यूजर ने लिखा, 'फर्स्ट लुक #प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की वाराणसी में मंदाकिनी बनी हैं। महेश बाबू ने रुद्र की भूमिका निभाई है, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन ने कुंभ की भूमिका निभाई है।' वहीं कुछ यूजर्स ने प्रियंका चोपड़ा का 'मंदाकिनी' लुक देखने के बाद उन्हें जंगली बिल्ली का टैग दिया। महेश ने एक्ट्रेस को बर्थडे विश करते हुए एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, 'सिर्फ एक 'मंदाकिनी' को जन्मदिन की बधाई आने वाला साल आपके लिए बहुत शानदार हो PC आपको ढेर सारा प्यार और हमेशा खुश रहने की शुभकामनाएं!!!'

बता दें कि महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा की यह साथ में पहली फिल्म है, जो लोगों के बीच लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली यह फिल्म तेलुगु भाषा के अलावा हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। प्रियंका चोपड़ा की वापसी वाली इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। एसएस राजामौली की भव्य प्रस्तुतियों और बड़े पैमाने पर फिल्म निर्माण की शैली को देखते हुए फिल्म को भारतीय सिनेमा की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में गिना जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसके किरदारों, कहानी और तकनीकी स्तर को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं।

मेकर्स द्वारा जारी किए गए नए पोस्टर्स और बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरों ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर प्रशंसक प्रियंका चोपड़ा के नए अवतार की जमकर सराहना कर रहे हैं। कई प्रशंसकों ने उनके लुक, स्क्रीन प्रेजेंस और एक्शन अवतार की तारीफ करते हुए फिल्म के प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार जताया है। फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे बड़े कलाकारों की मौजूदगी इसे और भी खास बनाती है।

आपत्तिजनक कंटेंट के सवाल पर निरहुआ बोले, सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को निशाना बनाना ठीक नहीं

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। आईएएनएस से बात करते हुए निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।" भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, "जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।" एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है।

जस्ट मैरिड! जेनिफर विंगेट ने की शादी, फैंस को हसबैंड से ऑफिशियली कराया इंट्रोड्यूस, शेयर कीं व्हाइट वेडिंग की

टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी शादी को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने अब तक इन चर्चाओं पर चुप्पी साध रखी थी। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि जेनिफर ने शादी कर ली है और अब आखिरकार उन्होंने अपनी शादी की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए शादी की खबरें कन्फर्म कर दी हैं। जी हां, जेनिफर विंगेट ने अपने बॉयफ्रेंड विलियम इश्माइल से शादी कर ली है। एक्ट्रेस ने खुद अपनी व्हाइट वेडिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जेनिफर विंगेट ने क्रिश्चियन रीति-रिवाज से विलियम इश्माइल से शादी की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने टेलर स्विफ्ट के फेमस सॉन्ग 'लव स्टोरी' के साथ फोटोज शेयर कीं, जिसमें उनकी व्हाइट वेडिंग की झलक देखने को मिल रही है। एक्ट्रेस ने देश से दूर यूके में अपने विदेशी बॉयफ्रेंड से शादी की और अब इसकी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- '...और आखिरकार हमारे सितारे मिल ही गए! ' इस पोस्ट में उन्होंने अपने पति विलियम इश्माइल को भी टैग किया है। जेनिफर ने अपनी शादी की जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें से एक में दोनों एक-दूजे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। वहीं एक तस्वीर में दोनों चर्च में खड़े होकर अपनी शादी की कस्में खाते दिख रहे हैं और एक में दोनों को शादी के बाद खिलखिलाते देखा जा सकता है और एक में दोनों एक-दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं। फोटोज के साथ लिखा है- 'जस्ट मैरिड, लेडीज और जेंटलमेन, कृपया क्या आप खड़े हो सकते हैं? आप सभी को ऑफिशियली अपने पति विल से मिलाती हूं। जैसे ही जेनिफर ने अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कीं, उन्हें हर तरफ से बधाईयां मिलने लगीं। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने कमेंट में लिखा- 'मुबारक हो जे।' वहीं जन्नत जुबैर, वत्सल सेठ, मौनी रॉय, रीम शेख, नकुल मेहता, करणवीर बोहरा, आशीष चौधरी, रश्मि देसाई, दृष्टि धामी, किश्वर मर्चेंट, अनुषा दांडेकर सहित कई सेलेब्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए जेनिफर को शादी की बधाई दी है।

'मैं जिंदा हूं', आ गया 'बटवारा 1947' का दूसरा टीजर, फिर एक्शन अवतार में दिखे सनी देओल

सनी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं। आमिर खान के प्रोडक्शन तले बनी इस हिस्टोरिकल ड्रामा को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। यूं तो ये फिल्म अगस्त 2026 को रिलीज होनी है, लेकिन मेकर्स दर्शकों को इससे बांधे रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पिछले दिनों बटवारा 1947 का पहला टीजर जारी किया गया था और आज, यानी 18 जुलाई को आमिर खान प्रोडक्शंस ने 'बटवारा 1947' का दूसरा टीजर जारी कर दिया है, जिसमें सनी देओल, प्रीति ज़िंटा और शबाना आज़मी मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद, सनी देओल फिल्म 'बंटवारा 1947' में नजर आएंगे, जिसमें पार्टिशन के जख्मों को दिखाया गया है।

एक्ट्रेस ईशा सिंह ने OTT के बोल्ड कंटेंट पर रखी बेबाक राय, बोलीं-कोई संत नहीं है

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब आईएएनएस ने 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है।

अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, "देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।" उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, "देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं।

यश ने 'रामायण' को बताया भारत की सपना, रणबीर कपूर की तारीफ में बोले- 'खुद को भगवान राम को समर्पित कर दिया'

इस साल की सबसे चर्चित फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर 24 जुलाई को रिलीज होगा, लेकिन इससे पहले शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'रामायण' का 'प्रथम संकल्प' इवेंट आयोजित किया गया, जिसमें कुछ खास लोगों को 'रामायण पार्ट 1' का ऑफिशियल ट्रेलर दिखाया गया। इस इवेंट में फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी से लेकर कलाकार और कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, रवि दुबे और सनी देओल सहित 'रामायण' के अन्य कई कलाकार भी इस इवेंट में शरीक हुए।

इस दौरान यश ने 'रामायण' के अपने को-स्टार रणबीर कपूर की जमकर तारीफ की। दिल्ली में आयोजित इस इवेंट के साथ ही 'रामायण' के प्रमोशन कैंपेन की औपचारिक शुरुआत हुई।

इस मेगा बजट फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे यश ने यहां हिंदी में अपना भाषण शुरू करते हुए दर्शकों का अभिवादन किया और इतने बड़े पैमाने पर फिल्म बनाने का साहस दिखाने के लिए नमित मल्होत्रा की तारीफ की।

स्टेज पर मौजूद यश ने कहा, 'इस शानदार प्रोजेक्ट बनकर मैं बहुत खुश हूं। लेकिन, इसे इस मुकाम तक पहुंचाने का श्रेय नमित मल्होत्रा को जाता है। आपने मुझे इतना अहम किरदार निभाने का मौका दिया, इसके लिए आपका शुक्रिया।'

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था।

'पति को दारू पी के मारना है', बिहार की साक्षी झा के 'इंडिया गॉट लेटेंट' ऑडिशन ने छेड़ी बहस, बोलीं- सभी पुरुषों से नफरत

नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का तीसरा एपिसोड एक बार फिर विवादों के कारण चर्चा में है। इस बार सुर्खियों में कोई सेलिब्रिटी नहीं बल्कि बिहार की रहने वाली कंटेस्टेंट साक्षी झा हैं। उनके ऑडिशन के दौरान दिए गए कुछ बयानों ने सोशल मीडिया पर तीखी बहस छेड़ दी है। शो में मौजूद सभी पैनलिस्टों ने उन्हें शून्य अंक दिए और दर्शकों ने भी उनकी परफॉर्मेंस पर मिलती-जुलती प्रतिक्रिया दी। साक्षी झा पेशे से एक टीचर हैं और सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वो खुद को पुरुष प्रधान वाली सोच का सबसे बुरा सपना बताती हैं।

शो में एंट्री के दौरान उन्होंने खुद को 'मैन हेटर' यानी पुरुषों से नफरत करने वाली कहा और अपने जीवन के लक्ष्य वाले कॉलम में ऐसा जवाब दिया जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

उन्होंने बातचीत के दौरान पुरुषों को लेकर कई तीखी बातें कहीं। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने पिता और भाई तक से लगाव नहीं है। उनके इन बयानों से मंच पर मौजूद पैनलिस्ट हैरान रह गए और माहौल असहज हो गया।

ऑडिशन खत्म होने के बाद शो के सभी पैनलिस्टों ने साक्षी झा को 0 अंक दिए। खास बात यह रही कि साक्षी ने खुद अपनी परफॉर्मेंस को 8 अंक दिए थे।

बाद में जब समय रैना ने दर्शकों से उनकी रेटिंग पूछी तो ऑडियंस ने भी एक सुर में "जीरो" बोलकर प्रतिक्रिया दी। इस तरह वह इस सीजन की पहली कंटेस्टेंट बन गईं जिन्हें सभी जजों से शून्य अंक मिले।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया: संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल-4' और 'इक्का' की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, "इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई 'धमाल 4' और 'इक्का' एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं।

सार समाचार

हिंदू युवक की गिरफ्तारी पर बांग्लादेश में उबाल, भगवान राम की प्रतिमा बनाने का किया था ऐलान

बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित नेशनल प्रेस क्लब के बाहर शुक्रवार को हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद ने किया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदू युवक हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे आरोप में फंसाया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दास ने उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने की पहल की थी। उनका आरोप है कि इसी के बाद उन्हें निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। एकता परिषद के महासचिव मणिंद्र कुमार नाथ ने कहा कि संगठन हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, 'सरकार ने दो-तीन दिन पहले उन्हें इस आरोप में गिरफ्तार किया कि उन्होंने पलाशबाड़ी में भगवान राम की प्रतिमा बनवाई। हम इस तरह की गिरफ्तारी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते।' मणिंद्र कुमार नाथ ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से बांग्लादेश में गैर-मुस्लिम समुदाय के लोगों पर लगातार हमले और उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हरिदास चंद्र तरणी दास को अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उनका आरोप है कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला धार्मिक निर्माण कार्य को रोकने के उद्देश्य से लगाया गया है। यह मामला पिछले महीने गाइबांधा जिले में एक इस्लामी प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की प्रतिमा के अपमान के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के कुछ समय बाद सामने आया है। सुब्रत चौधरी ने कहा कि हरिदास चंद्र तरणी दास को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

अमेरिकी चुनावी व्यवस्था की नाकामी उजागर हुई, ट्रंप के दावों पर बोले काउंसलर पीटर नवारो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में चीन की जासूसी और ईरान-रूस की सेंधमारी का खुलासा किया। ट्रंप ने सेव अमेरिका एक्ट पारित करने के लिए कांग्रेस से समर्थन भी मांगा। इन सबके बीच राजनीतिक गलियारे की हलचल बढ़ी हुई है। डेमोक्रेट्स पार्टी के सभी नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप पर चौतरफा निशाना साधा। राष्ट्रपति के काउंसलर पीटर नवारो ने ट्रंप का समर्थन किया और चुनावी व्यवस्था को इसका जिम्मेदार ठहराया। मेरी राय में इन सूचनाओं को कभी गोपनीय नहीं रखा जाना चाहिए था। राष्ट्रपति के काउंसलर ने कहा कि मुझे लगता है कि ये अलग-अलग मुद्दे हैं। चीन ने जैसा कि उम्मीद थी, हर बात से इनकार किया है, जिसकी आप उम्मीद करेंगे।

इजरायल की आलोचना करने वालों को दबाने के लिए अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसों का इस्तेमाल

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने निशाना साधते हुए दावा किया कि अमेरिकी टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल इजरायल की आलोचना करने वालों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है।

टाइम मैगजीन की एक रिपोर्ट साझा कर विदेश मंत्री अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "अमेरिकी नागरिकों को विदेशी प्रभाव को लेकर चेतावनी दी जा रही है।

लेकिन, उस व्यापक इजरायली अभियान का क्या, जिसके जरिए अमेरिकी सरकार को एक ऐसे युद्ध में धकेलने की कोशिश की जा रही है, जिसे जीता नहीं जा सकता और जिसे चुनना अमेरिका की अपनी प्राथमिकता भी नहीं थी?" उन्होंने कहा, "इससे भी गंभीर बात यह है कि इजरायल पर अमेरिकी करदाताओं के पैसों का इस्तेमाल कर अमेरिका के भीतर अपने आलोचकों की आवाज दबाने का आरोप लगाया जा रहा है। यह सब जल्द ही सबके सामने उजागर हो जाएगा।"

बता दें, विदेश मंत्री अराघची ने टाइम मैगजीन के जिस लेख की तस्वीर साझा की, उसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के समर्थकों को टारगेट करने वाले इजरायली प्रभाव वाले ऑपरेशन के बारे में बताया गया है। मैगजीन में छपे लेख का शीर्षक था, ''ट्रंप के पूर्व-कैंपेन मैनेजर एमएजीए बेस को टारगेट करके एक इजरायली प्रभाव वाला ऑपरेशन चला रहे हैं।'' लेख में 'ब्रैड पारस्केल' की तस्वीर भी लगी है, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के 2020 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को मैनेज किया था।

अमेरिकी सैनिकों की तैनाती वाले देशों को खतरा? ईरान ने कहा- 'अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें'

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने उन देशों को चेतावनी दी है, जहां अमेरिकी सैन्य बल मौजूद हैं। अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, IRGC ने कहा कि ऐसे देशों को 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहना चाहिए। IRGC ने कहा कि जिन देशों ने अपने क्षेत्रों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए होने दिया है, वे अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। संगठन ने इन देशों से कहा कि वे अपनी सिविल डिफेंस यूनिट्स को सक्रिय करें, लोगों को संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाएं और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करें। IRGC ने दावा किया कि उसने इस चेतावनी के तहत पहला कदम उठाते हुए कुवैत स्थित कैंप अरिफजान में अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक केंद्र पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया।

संगठन का दावा है कि इस हमले में वहां तैनात कुछ सैन्यकर्मी हताहत हुए।

IRGC ने यह भी दावा किया कि उसके बलों ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस को भी निशाना बनाया। उसके अनुसार, इस कार्रवाई में रडार प्रणाली को निष्क्रिय कर दिया गया और हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर तथा ड्रोन सुविधा को नष्ट कर दिया गया। हालांकि ईरान के इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव लगातार बढ़ रहा है।

शनिवार को दोनों देशों ने एक-दूसरे पर नए सैन्य हमले किए।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर संघर्ष और तेज हो गया है और अस्थायी सीजफायर के टूटने के बाद हालात सामान्य होने के कोई संकेत नहीं हैं।

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ते संघर्ष का असर वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। इस मार्ग से जहाजों की आवाजाही काफी कम हो गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 86 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है।

होर्मुज को लेकर महायुद्ध! अमेरिका ने ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाया निशाना, तेहरान ने की कुवैत पर मिसाइलों की बौछार

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर कंट्रोल को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष शनिवार को और तेज हो गया। दोनों देशों ने एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर भीषण हमले किए। जिस तरह से दोनों देश एक-दूसरे को ठिकानों को तबाह करने पर आमादा हैं उससे फिलहाल शांति के कोई आसर नहीं नहीं आ रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि लगातार सातवीं रात किए गए हमलों में "निगरानी स्थलों, सैन्य लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे, भूमिगत हथियार भंडारण और समुद्री क्षमताओं" को निशाना बनाया गया। उधर, कुवैत ने शनिवार को कहा कि उसने ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों के हमलों को विफल कर दिया है। इस दौरान पानी को मीठा बनाने वाले प्लांट (डिसैलिनेशन प्लांट) पर हमला हुआ, जिससे आग लग गई। इसी डिसैलिनेशन प्लांट से कुवैत अपने पीने के पानी का 90 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है।

पिछले दो दिनों में यह दूसरा ऐसा हमला था। सुरक्षा को देखते हुए कुवैत ने कुछ समय के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया और कुवैत एयरवेज की उड़ानों को रीशेड्यूल किया गया। इसके अलावा, इराक ने इरबिल में ईरानी ड्रोन मार गिराए और जॉर्डन ने भी अपने एयर डिफेंस सिस्टम से मिसाइलों को ध्वस्त कर दिया। वहीं, इराक ने कहा कि उसने इरबिल शहर के ऊपर ड्रोनों को मार गिराया। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने कहा कि देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने कई ईरानी मिसाइलों को मार गिराया, जबकि सरकार के अनुसार बहरीन में कई बार हवाई हमले के सायरन बजे। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हाल के अमेरिकी हमलों में ईरान में दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

लंदन में भी दादागिरी से नहीं माना चीन! उसकी एंबेसी के स्टाफ ने तिब्बती प्रदर्शनकारियों को करंट वाले Stun Baton से डराया

यूनाइटेंड किंगडम के लंदन में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने उन आरोपों की पड़ताल शुरू कर दी है जिनमें ये बताया गया था कि लंदन में मौजूद चीनी दूतावास के सुरक्षाकर्मियों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे तिब्बती लोगों को डराने-धमकाने के लिए हाई-वोल्टेज स्टन बैटन का प्रयोग किया। हालांकि, यूनाइटेड किंगडम के कानून के तहत स्टन बैटन का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। इसके बावजूद, कैंडललाइट मार्च के दौरान चीनी दूतावास के स्टाफ ने कथित रूप से स्टन बैटन से प्रदर्शनकारियों को डराया। तिब्बती प्रवासियों के न्यूज पोर्ट Phayul की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात बीते 3 जुलाई की शाम को सेंट्रल लंदन के पोर्टलैंड प्लेस में मौजूद चीनी दूतावास के बाहर हुई। उस जगह तिब्बती प्रवासी और मानवाधिकार समर्थक लोबगा रंगजेन को श्रद्धांजलि देने के लिए जमा हुए थे। लोबगा रंगजेन, तिब्बत की स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले एक एक्टिविस्ट थे, जिनकी मौत 2 जुलाई को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के हेडक्वार्टर के बाहर आत्मदाह के बाद हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, लंदन के एडवोकेसी ग्रुप 'फ्री तिब्बत' की तरफ से रिलीज किए गए वीडियोज में चीनी दूतावास के सुरक्षाकर्मी कथित रूप से स्टन बैटन से चिंगारी छोड़ते हुए, उसे लहराते हुए और उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले तिब्बतियों की तरफ दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों का मानना है कि यह भीड़ को डराने-धमकाने का प्रयास था। इस वारदात के बारे में पता चलने के बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने इस पर प्रतिक्रिया भी दी है। हालांकि, इस घटना ने चीन की तरफ से कथित तौर पर देश की सरहदों के बाहर भी लोगों को डराने-धमकाने और दबाने की कार्रवाई को लेकर नई तरह की चिंताएं पैदा कर दी हैं। तिब्बत के संगठनों और मानवाधिकार गुटों ने इस टकराव को चीन की सरहदों से बाहर तक फैले डराने-धमकाने के रवैये का एक उदाहरण कहा है। स्टन बैटन, बचाव के लिए प्रयोग होने वाला हथियार है जो हमलावर को कुछ वक्त तक बेअसर करने के लिए हाई-वोल्टेज और कम-एम्परेज वाली बिजली का इस्तेमाल करता है। इसकी बनावट में डंडे की तरह होता है, जिसके एक सिरे पर बिजली का करंट छोड़ने वाले प्रोब होते हैं। सुरक्षा के लिए इसमें एक्टिवेशन स्विच या डिसेबल पिन जैसे फीचर्स भी होते हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा है कि मामले से संबंधित उपलब्ध वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि प्रतिबंधित उपकरण का उपयोग किया गया या किसी प्रकार के आपराधिक कृत्य को अंजाम दिया गया है, तो यूनाइटेड किंगडम के प्रचलित कानूनों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

PoK में जून से अब तक दर्जनों बेगुनाह मारे गए! संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता, निष्पक्ष जांच की मांग

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर या PoK में लगातार बढ़ रहे तनाव और अशांति पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील करते हुए प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के जवानों की मौतों की जल्द, निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से जारी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के बयान के मुताबिक, PoK में इस महीने के आखिर में होने वाले क्षेत्रीय विधानसभा चुनाव से पहले हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून महीने से अब तक दर्जनों बेगुनाह लोगों की मौत होने की खबर है। रिपोट्र्स के मुताबिक, PoK में मारे गए दर्जनों लोगों में से अधिकतर प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किए गए सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की तुरंत, निष्पक्ष और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए। इसमें प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों के कर्मियों की मौतें भी शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल हैं। बता दें कि पाकिस्तान ने जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी या JAAC पर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाते हुए आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार भी किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और शांतिपूर्ण सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और संगठन बनाने के अधिकार जैसे मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है, इसलिए इन कदमों को लेकर गंभीर चिंता है। बता दें कि PoK से लगातार खबरें आ रही थीं कि पाकिस्तानी फौज वहां लगातार जुल्म ढा रही है।

पाकिस्तान आंतकी गुटों को दे रहा पनाह, दक्षिण एशिया के लिए ये खतरनाक: रिपोर्ट

पाकिस्तान की सेना पर आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी/आईएसआईएस-के) को पनाह देने और फिर आतंकवाद विरोधी अभियान के नाम पर अफगानिस्तान में हवाई हमले करने के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका स्थित मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमईएमआरआई) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाईयां तालिबान सरकार पर दबाव बनाने और पश्चिमी देशों के सामने अपनी सख्त छवि पेश करने की रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, "30 जून 2026 को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार ड्रोन गतिविधियों की खबरें सामने आई थीं। ये गतिविधियां कथित रूप से आईएसकेपी के ठिकानों को लेकर थीं।

हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं और पाकिस्तान कथित तौर पर क्षेत्र में तालिबान के खिलाफ दबाव बनाने के लिए अन्य आतंकी नेटवर्कों का इस्तेमाल कर सकता है।" एमईएमआरआई रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था और आईएसकेपी के बीच कथित संबंध दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान दशकों से भारत और अफगानिस्तान के संदर्भ में आतंकवादी समूहों के इस्तेमाल की रणनीति अपनाता रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि उपलब्ध साक्ष्य संकेत देते हैं कि "पाकिस्तान आईएसकेपी को वैचारिक समर्थन के बजाय रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर सकता है, ताकि अफगान तालिबान और बलूच विद्रोही समूहों पर दबाव बनाया जा सके।"

अमेरिका और ईरान के बीच और भीषण हुई जंग, चाबहार पोर्ट से लेकर खाड़ी के कई देशों तक हमले

अमेरिका और ईरान के बीच जंग तेजी से और भीषण होती जा रही है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड यानी कि CENTCOM ने दावा किया है कि उसने ईरान के चाबहार स्थित शहीद कलंतरी पोर्ट के सर्विलांस टावर को उड़ा दिया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने भी सर्विलांस टावर के नष्ट होने की पुष्टि की। इसके बाद ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और नौसैनिक संपत्तियों पर जवाबी कार्रवाई करने का दावा किया है। ईरान ने कहा कि उसने कतर, कुवैत, जॉर्डन, ओमान और सीरिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। बता दें कि अमेरिका ने ईरान पर लगातार 7वीं रात हवाई हमले किए हैं। CENTCOM के मुताबिक, 16 जुलाई को अमेरिकी सेना ने चाबहार के शहीद कलंतरी पोर्ट स्थित सर्विलांस टावर को निशाना बनाया।

अमेरिका का कहना है कि यह टावर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल कई सालों से ओमान की खाड़ी और विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की निगरानी और उन्हें निशाना बनाने के लिए किया जाता था।

अमेरिका का कहना है कि इस कार्रवाई से IRGC की व्यावसायिक जहाजों पर हमलों का समन्वय करने की क्षमता कमजोर होगी। CENTCOM के मुताबिक, इस हमले का उद्देश्य क्षेत्र में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता बनाए रखना और नागरिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी X पर नष्ट हुए सर्विलांस टावर की तस्वीर साझा की।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, मास्को के पास वेयरहाउस पर हमले में 7 की मौत

यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे।

गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी।

वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। एहतियात के तौर पर पास के एक मैटरनिटी हॉस्पिटल को खाली करा लिया गया। हालांकि, तेल डिपो को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह डिपो हल्के पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

SPORTS NEWS

Thomas Tuchel defends his tactics after England's loss to Argentina in World Cup semi-final

The stage is set for the bronze final of the ongoing FIFA World Cup 2026; England will be taking on France in a bid to finish in third place in the tournament. The two sides will meet at the Miami Gardens for the clash on July 19th, and both teams will look to put in their best performance. While France were eliminated from the tournament by Spain, England succumbed to the genius of Lionel Messi and his side in the second semi-final. It is worth noting that despite taking the lead in the game, England conceded two late goals against Argentina as they were eliminated from the tournament. After the game, many experts came forward and criticised the tactics of England head coach Thomas Tuchel and how his tactics cost the 1966 champions a shot at the final. Speaking on the same, Tuchel came forward and claimed that he has no regrets. France would see them register their best result in a World Cup in the last 60 years.

'Among the best': Lionel Messi sings Lamine Yamal's praises ahead of FIFA World Cup 2026

The stage is set for the final of the FIFA World Cup 2026; one-time champions Spain will be taking on defending champions Argentina. The two sides will meet at the New York-New Jersey Stadium on July 20th, and it could be interesting to see how the sides fare in the clash. Ahead of the game, one major story has revolved around the battle of Lionel Messi and Lamine Yamal.

The 39-year-old will be taking on Barcelona's current superstars in one of the most looked-forward-to battles in the tournament. Speaking of the same, Lionel Messi came forward and talked about the future of Lamine Yamal and how he is among the best players in the world at the moment.

He also talked about how Barcelona's future is in safe hands with Yamal in the side. "Lamine is a great player, and I follow him a lot because he plays for a club I LOVE. I always wish him all the best — no doubts that he's among the best in the world. We [at Barça] are very lucky to have Lamine Yamal. I say this because what's good for him is also good for our Barcelona," Messi said ahead of the game.

How has France performed against England in FIFA WC history? All you need to know ahead of the bronze final

France and England are all set to take on each in the bronze final of the ongoing FIFA World Cup 2026. It is worth noting that both sides have been eliminated from the semi-finals of the tournament and will now take on each other in a bid to finish in third place. Notably, the two sides will take on each other at the Miami Gardens on July 19, and it could be interesting to see which side comes out on top. Over the years, both France and England have taken on each other several times, and have a deep history between them as well. Ahead of the game, many fans would also be wondering how the two sides have fared against each other in the past. When it comes to FIFA World Cup history, France and England have taken on each other three times in the tournament's history. In the three matches, England have emerged victorious two times, and France has won just once. However, considering the form of the two sides, many would consider France to be the favourites this time around and to finish in third place in the competition. With France all set to take on England in the bronze final, the 2018 champions' head coach Didier Deschamps took centre stage and talked about the clash. He also revealed how their star forward Kylian Mbappe is all set to feature in the clash as the race for the golden boot is approaching its end.

BWF World Championship mascot, anthem released; BAI expects best-ever tournament

The World Badminton Championships will return to India after a gap of 17 years, with more than 400 players from over 50 countries expected to compete in the 30th edition of the tournament. Ahead of that, Sports Minister Mansukh Mandaviya, along with Badminton Association of India (BAI) president and Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma, formally launched the official mascot and the anthem for the BWF World Championships on Saturday, July 18, in New Delhi. The mascot has been named 'Peacko', inspired by the Indian peafowl, the country's national bird. The anthem, on the other hand, features all 16 members of India's squad, including two-time Olympic medallist PV Sindhu, Lakshya Sen, Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty. Star shuttler Sindhu will headline the home challenge and has the opportunity to become the most decorated medallist in the event's history by securing a sixth podium finish. Meanwhile, the minister briefly addressed how India are marching towards a strong sporting nation and once again reassured that the nation is ready to host the 2036 Olympics. "India is moving towards becoming a sporting nation. Our roadmap is clear as we prepare to host major international events, including our bid for the 2036 Olympics. In the last two years, the country has hosted 36 international sporting events, and many more are scheduled. The BWF World Championships returning to India after 17 years is another important milestone," Mandaviya said. "It will not only give our players an opportunity to compete at home but also demonstrate India's ability to organise world-class sporting events and strengthen our position as a global sporting destination," he added. The Badminton Association of India projected confidence that the tournament will be remembered for the badminton on court rather than the venue-related concerns that overshadowed the India Open earlier this year. Alongside the launch celebrations, BAI secretary general Sanjay Mishra said preparations at the venue had addressed the operational shortcomings that drew criticism during the India Open Super 750 in January. He added that flooring installation would begin next week, while spectators and participants will have access to food courts, children's play areas , giant screens, and umbrella booths.

Spain's star footballer reveals to announce retirement if they beat Argentina in FIFA World Cup 2026

Spain defender Marc Cucurella has revealed to retire from international football if La Roja defeats Argentina in the FIFA World Cup final. He also added of doing a permanent tattoo of head coach Luis de la Fuente to honour him in case they win. Notably, the left-back made the remarks ahead of the title clash as Spain prepare to chase their first World Cup crown since 2010. Standing in their way is defending champion Argentina, led by Lionel Messi, in what will be the biggest test of De la Fuente's tenure with the national side. Cucurella said lifting the World Cup would leave him with nothing further to accomplish in international football after already winning the European Championship.

"If we win the World Cup, I'll call Luis the next day and tell him not to count on me anymore, that I'm retiring from the national team. With a European Championship and a World Cup, I can't do any better. I would get a little tattoo of Spain manager Luis de la Fuente's face on my bicep if we were to win the World Cup," Cucurella said.

While one of his players spoke about the possibility of ending his international career, De la Fuente struck a relaxed tone as attention turned to the final against Lionel Scaloni's side. The Spain coach joked with reporters before stressing that his team intended to embrace the occasion rather than feel burdened by it. "I'm quite nervous because we'll be returning by helicopter," De la Fuente told reporters with a laugh. "We came by helicopter, and we have to fly back once the press conference is over, and that really makes me nervous. Nothing else, though – I'm absolutely calm. We're lucky to be in these circumstances, in this situation."

'Rohit will work it out': Morne Morkel backs Rohit Sharma to return to top form ahead of the third England ODI

India and England will take on each other in the third ODI of the ongoing series. The two sides will take on each other at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th; ahead of the game, many eyes will be set upon veteran batter Rohit Sharma.

After two subpar scores in the first two ODIs, reports came forward that the Lord's game could be Rohit Sharma's final ODI game. However, the rumours were dismissed by BCCI secretary Devajit Saikia.

Ahead of the game, India's bowling coach Morne Morkel took centre stage and backed Rohit Sharma to return to top form and be among the runs once more as India takes on England in the third ODI.

"Rohit, as I said earlier, it is hard work with a new ball up front.

We have seen that in the entire series. The ball is moving around. So batting up front, it is not easy.

No doubt Rohit will work it out. He has done it in the past.

He is experienced. And he just brings that calmness to the batting line-up.

So without a doubt, no worries and concerns at all with the way he is going about things," Morkel said in the pre-game press conference.

BCCI names replacement for injured Washington Sundar ahead of third England ODI

With the Indian team all set to take on England in the third and final ODI of the ongoing series, the BCCI (Board of Control for Cricket in India) came forward and announced the replacement for the injured all-rounder Washington Sundar.

It is worth noting that 23-year-old Harsh Dubey will be replacing Sundar in the squad.

It is worth noting that the Indian team will look to put in their best performance in the upcoming game, as the clash will be the series decider.

Interestingly, the Men in Blue registered a brilliant win in the first ODI of the series, which was their first win of the tour.

However, England came back with a brilliant performance in the second ODI and levelled the score as they took on India in Cardiff.

Mirabai Chanu, Lovlina Borgohain named India's flag and baton bearers ahead of Commonwealth Games 2026

In a major development, India's professional weightlifter Mirabai Chanu and boxer Lovlina Borgohain have been selected as India's official flag and baton bearers in the upcoming Commonwealth Games 2026. The duo will be leading India's contingent at the event during the opening ceremony at The Hydro in Glasgow on July 23.

The IOA (Indian Olympic Association) made the official announcement on July 18. Notably, Mirabai will be holding the Indian flag, whereas Lovlina will be leading the contingent with the baton in hand.

Ahead of the event, all of the 74 Commonwealth nations and territories have received their own batons.

Furthermore, the batons will be reunited at the opening ceremony of the event at the opening ceremony before the games are officially declared open. After the announcement, IOA president PT Usha came forward and talked about how big an honour it was to announce the names of Mirabai and Lovlina as the flag and baton bearers. "It is a matter of pride that Mirabai and Lovlina will be doing the honours at the OVO Hydro. I wish both the girls and the entire contingent good luck," PT Usha said. Speaking of the Indian contingent, Mirabai Chanu remains India's biggest hope at the Commonwealth Games 2026.

Former India coach weighs in on Rohit Sharma's performances

India and England will take on each other in the third and final ODI of the ongoing series between them.

The two sides will meet at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th, and with the clash right around the corner, both teams will be looking to put in their best effort in hopes of clinching the series. Ahead of the game, one of the biggest talking points in recent times has been the performances of veteran batter Rohit Sharma.

After scoring 11 runs in the first ODI, Rohit struggled in the second as well, scoring 26 runs to his name. There had been reports that the upcoming Lord's ODI against England would be Rohit Sharma's final game for India, a report that was later dismissed by the BCCI secretary as well. Rohit Sharma will look to improve heavily as the two sides meet in the third ODI.

मानसून में कंट्रोल हो सकती है पेट से जुड़ी समस्याएं, बस डाइट में शामिल करें हेल्दी फूड्स

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जिसका सीधा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। अक्सर लोग इस मौसम में ब्लोटिंग, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग और अपच जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। अगर आप भी मानसून में पेट की गड़बड़ी से जूझते हैं, तो आपको दवाओं के बजाय अपनी डाइट में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन समस्याओं को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं डाइट में कौन सा फूड्स शामिल करना चाहिए। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखते हैं। मानसून में रोजाना अदरक की चाय या गुनगुने पानी में अदरक का रस मिलाकर पीने से पेट दर्द, गैस और मरोड़ जैसी समस्याओं में तुरंत आराम मिलता है।

पेट के लिए प्रोबायोटिक्स का सेवन बेहद जरूरी है। दही और छाछ में मौजूद गुड बैक्टीरिया आंतों को स्वस्थ रखते हैं और खाना को पचाने में मदद करते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मानसून में रात के समय दही खाने से बचें। इसे दोपहर के वक्त अपनी डाइट में शामिल करें। पुदीना अपनी ठंडक और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और एसिडिटी व ब्लोटिंग को कम करता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में पुदीने की चटनी, पुदीना पानी या इसे नींबू पानी में मिलाकर पी सकते हैं। इस मौसम में कच्ची सब्जियां या सलाद खाने से बचना चाहिए, क्योंकि उनमें बैक्टीरिया होने का खतरा ज्यादा होता है। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू और टिंडा जैसी हल्की सब्जियों को अच्छी तरह धोकर, उबालकर या सूप के रूप में लें। ये पचाने में आसान होती हैं।

पीठ दर्द और मानसिक तनाव से चाहिए मुक्ति? आज ही से शुरू करें 'आकर्ण धनुरासन'

आधुनिक जीवनशैली में पीठ दर्द, कंधों की जकड़न और मानसिक तनाव एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में आकर्ण धनुरासन एक अचूक और प्रभावी योगासन की तरह काम करता है। यह आसान न केवल शारीरिक लचीलापन और शक्ति को बढ़ाता है, बल्कि साधक में एकाग्रता और मानसिक दृढ़ता का संचार भी करता है। संस्कृत के तीन शब्दों 'आ' (तक), 'कर्ण' (कान), और 'धनुष' (कमान) से मिलकर बने इस आसन का शाब्दिक अर्थ है 'कान तक धनुष को खींचना'। यह आसन मुख्य रूप से जांघों, कूल्हों और कंधों के लचीलेपन को बढ़ाने और एकाग्रता में सुधार करने में मदद करता है। आयुष मंत्रालय ने इस आसान को शरीर में शक्ति, संतुलन और लचीलापन लाने वाला प्रभावी योगाभ्यास बताया है। उनके अनुसार, यह मुद्रा साधक को धनुष की तरह आकार देती है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है और रीढ़, पीठ तथा पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। आकर्ण धनुरासन के नियमित अभ्यास से पीठ, कंधे और छाती की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। रीढ़ की हड्डी लचीली और स्वस्थ बनी रहती है, जिससे पीठ दर्द में काफी राहत मिलती है। पेट के अंगों पर पड़ने वाले दबाव से पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। पैरों, जांघों और कूल्हों की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह आसन संतुलन और एकाग्रता को भी बेहतर बनाता है। मानसिक स्तर पर यह मुद्रा आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करती है। एक्सपर्ट के अनुसार, आकर्ण धनुरासन शरीर और मन दोनों में संतुलन स्थापित करने वाला एक शक्तिशाली योगासन है, जो योग साधकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होता है, हालांकि शुरुआत में लोगों को किसी योग प्रशिक्षक की देखरेख में ही यह आसन करना चाहिए।

मानसून में नहीं पड़ना चाहते हैं बीमार, तो डाइट में शामिल करें विटामिन सी से भरपूर ये फूड्स

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो दिलाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और वायरल इंफेक्शन भी लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जिससे सर्दी-खांसी, जुकाम, फ्लू और पेट की गड़बड़ी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में खुद को सेहतमंद रखने का सबसे अच्छा तरीका है अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाना। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी को सबसे असरदार माना जाता है। यह एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है जो व्हाइट ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करती है और शरीर को संक्रमण से बचाती हैं। ऐसे में मानसून में वायरल इंफेक्शन के खतरे को कम करने के लिए आपको अपनी डाइट में विटामिन सी से भरपूर इन फूड्स को शामिल कर सकते हैं।

नींबू, संतरा, मौसमी और चकोतरा विटामिन सी के बेहतरीन स्रोत हैं। सुबह के समय गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीना या दिन में एक संतरा खाना आपकी विटामिन सी की जरूरत को पूरा कर सकता है। ये फल न सिर्फ संक्रमण से लड़ते हैं बल्कि पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखते हैं। आयुर्वेद में आंवला को सुपरफूड माना गया है। इसमें किसी भी अन्य खट्टे फल की तुलना में 20 गुना अधिक विटामिन सी होता है। मानसून में रोजाना एक आंवला खाने या इसका जूस पीने से न सिर्फ इम्यूनिटी मजबूत होती है, बल्कि यह टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने में भी मदद करता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि केवल खट्टे फलों में ही विटामिन सी होता है, लेकिन अमरूद में संतरे से भी कहीं ज्यादा विटामिन सी पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें डाइटरी फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो मानसून के दौरान होने वाली पेट की समस्याओं से राहत दिलाता है। कीवी एक ऐसा फल है जो पोषक तत्वों का पावरहाउस है। एक छोटे कीवी में ही आपकी दिनभर की जरूरत का विटामिन सी मिल जाता है। यह शरीर में सूजन को कम करता है और वायरल इंफेक्शन से बचाता है। सब्जियों में हरी, पीली और लाल शिमला मिर्च विटामिन सी का भंडार हैं। खासतौर पर लाल शिमला मिर्च में विटामिन सी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसे आप सलाद, सूप या सब्जी के रूप में खा सकते हैं। दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मेवे और मौसमी फल भी इस मौसम में लाभकारी माने जाते हैं।

पानी की बोतल में जमी बर्फ को तलवों के नीचे घुमाने से क्या फायदा होता है, सिर्फ 10 मिनट कर लें ये काम

दिनभर चलते फिरते रहने से, वजन बढ़ने से या गलत जूते चप्पल पहनने से पैरों में दर्द की शिकायत होने लगती है। पैरों की मालिश से दिनभर की थकान, तनाव दूर हो सकता है साथ ही पैरों को रिलेक्स करने के लिए आप बर्फ के पानी से या फिर ठंडे पानी से भरी बोतल से सिंकाई भी कर सकते हैं। जब आप ठंडे पानी की बोतल को तलवों के नीचे घुमाते हैं तो गजब के फायदे मिलते हैं। पानी की बोतल से स्ट्रेच करना प्लांटर फैशियाइटिस, एड़ी की हड्डी में दर्द और तलवे के दर्द के लिए एक आसान घरेलू उपाय है। यह प्लांटर फैशिया लिगामेंट को खींचकर और लंबा करके पैरों में तनाव को कम करने में मदद करता है। जमी हुई पानी की बोतल का इस्तेमाल करने से तलवे की सूजन कम होती है। इससे पैरों की मांसपेशियों को आराम मिलता है और आपकी दिनभर की थकान दूर हो जाती हैं। आइये जानते हैं इसे कैसे करना है और इसके क्या फायदे हैं? इसके लिए एक पानी की बोतल लें और उसे फ्रीजर में रख दें। बोतल स्टील की हो तो ज्यादा बेहतर है। आप प्लास्टिक की बोतल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बोतल में बर्फ जमी हो या फिर पानी अच्छा ठंडा होना चाहिए। अब बोतल को लिटा दें और उसके ऊपर अपना पैर रखें। किसी आरामदायक जगह पर बैठ जाएं और अब तलवे के नीचे रखी बोतल को धीरे-धीरे घुमाते रहें। आप दोनों पैरों से एक साथ भी ऐसा कर सकते हैं। या फिर बारी-बारी से एक पैर से ऐसा कर सकते हैं। इससे दिनभर पैरों में थकान, जलन या भारीपन की समस्या दूर होगी और पैरों को आराम मिलेगा।

नसों को आराम- ठंडे पानी की बोतल को पैरों के तलवों के नीचे करीब 10 मिनट घुमाने से ही आपकी दिनभर की सारी थकान, भारीपन और जलन कम होने लगेगी। ठंडा पानी (Cold Therapy) नसों और मांसपेशियों को शांत करने में मदद करता है, जिससे सूजन और तनाव कम हो सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर- ऐसा करने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। पैरों के नीचे बोतल घुमाने से तलवों पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे ब्लड प्रेशर बेहतर महसूस हो सकता है और पैरों को आराम मिलता है। ठंडे तापमान और हल्की मसाज से रक्त वाहिकाओं में बदलाव आता है।

बारिश में बढ़ सकती हैं डायबिटीज के मरीज की मुश्किलें, ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए बरतें ये सावधानी

मानसून का मौसम डायबिटीज के रोगियों के लिए खास चुनौतियों भरा हो सकता है। इसलिए शुगर से पीड़ित लोगों को बारिश में सावधान रहने की जरूरत है। मानसून में मौसमी और वायरल संक्रमणों के बढ़ते खतरे के अलावा दिनचर्या भी प्रभावित होती है। इस मौसम में कई बार सुबह शाम की सैर, साफ-सफाई हो या काम पर भी असर होता है। इस मौसम में डायबिटीज के मरीज को घर के अंदर एक्टिव रहना जरूरी है। खाने में हेल्दी चीजें शामिल करें और अपने ग्लूकोज रीडिंग के बारे में अपडेट रहें। नोएडा के कैलाश अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर संजय महाजन ने बताया, 'मानसून के मौसम में फ्लू और जलजनित बीमारियों जैसे संक्रमणों का जोखिम बढ़ जाता है, जो मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए काफी मुश्किलें पैदा कर सकता है। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण जरूरी कदम उठाना और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने पर ध्यान देना महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे लोगों को एक्टिव लाइफस्टाइल जीनी चाहिए। अपने खाने में पोषण संबंधी जरूरतों का ख्याल रखना चाहिए।

इम्यूनिटी बढ़ाने वाला खाना खाएं- बारिश के दौरान स्ट्रीट फूड लोगों को अच्छा लगता है, लेकिन ये खाना खराब होने का खतरा भी कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में डायबिटीज के रोगियों को संक्रमण को रोकना कठिन हो सकता है। खाने में घर की बनी चीजें, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें, पकी सब्जियां, खाएं। फल सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं। मधुमेह पीड़ितों को इस समय अपने पैरों की खास देखभाल करनी चाहिए।

किन गलतियों की वजह से ट्रिगर हो सकती है माइग्रेन की समस्या?

क्या आप भी माइग्रेन के दर्द से परेशान हो गए हैं? अगर हां, तो आपको इस समस्या के समाधान के लिए इसके कुछ कारणों के बारे में जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए। आइए जानते हैं कि आपकी किन गलतियों की वजह से माइग्रेन की समस्या ट्रिगर हो सकती है।

अगर आपने अपनी कुछ आदतों को सुधार लिया, तो आपको माइग्रेन के दर्द से काफी हद तक छुटकारा मिल सकता है। जो लोग जरूरत से ज्यादा तनाव लेते हैं, उन्हें अक्सर माइग्रेन की समस्या का सामना करना पड़ता है। आपको तनाव को मैनेज करना सीखना होगा। इसके लिए आप हर रोज मेडिटेट कर सकते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक मेडिटेशन की मदद से माइग्रेन की समस्या को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। क्या आप भी रोज-रोज 6 से 7 घंटे की नींद नहीं ले पाते हैं? अगर आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है, तो इस वजह से भी माइग्रेन की समस्या ट्रिगर हो सकती है। इसके अलावा लाउड म्यूजिक माइग्रेन की समस्या का कारण बन सकता है। अगर आप माइग्रेन के दर्द से बचना चाहते हैं, तो आपको साउंड स्लीप लेनी चाहिए और लाउड म्यूजिक नहीं सुनना चाहिए।

क्या है 30-30-30 का फार्मूला जो तेजी से कम करता है वजन? जानें वेट लॉस में कैसे करता है काम

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी और बदलते खान-पान की वजह से मोटापा एक आम समस्या बन गया है। हम सभी अपनी खराब लाइफस्टाइल का खामियाजा बढ़ते वज़न के रूप में भुगत रहे हैं। दुनिया भर में लोग तेज़ी से मोटापे की चपेट में आ रहे हैं, और इसी वजह से वज़न कम करने के नए-नए तरीके खोजे जा रहे हैं। इन्हीं में से एक तरीका है 30-30-30 का फार्मूला, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और वज़न घटाने के लिए तेज़ी से ट्रेंड कर रहा है। यह एक सीधा-साधा लेकिन असरदार तरीका है जो कुछ अच्छी आदतों को अपनाने पर ज़ोर देता है। चलिए जानते हैं कि 30-30-30 का फार्मूला क्या है और यह वज़न कम करने में कैसे मदद करता है।

जागने के 30 मिनट के अंदर 30 ग्राम प्रोटीन का करें सेवनः सुबह उठने के आधे घंटे के अंदर आपको अपने नाश्ते में लगभग 30 ग्राम प्रोटीन शामिल करना है। प्रोटीन युक्त नाश्ते के उदाहरणों में अंडे, ग्रीक योगर्ट, पनीर, दालें, टोफू, या प्रोटीन शेक शामिल हैं।

30 मिनट तक करें कम तीव्रता वाला व्यायामः नाश्ता करने के बाद, आपको 30 मिनट तक हल्का-फुल्का व्यायाम करना है। इसमें ब्रिस्क वॉक साइकिल चलाना, तैरना, योग या नृत्य कोई भी ऐसी गतिविधि को शामिल करना है जिसमें हृदय गति थोड़ी बढ़े लेकिन आप आराम से बातचीत कर सकें।

30 दिनों तक करें पालनः इस नियम की कुछ व्याख्याओं के अनुसार आपको 30 दिनों तक इस दिनचर्या का सख्ती से पालन करना है।

खाने में 10% तेल कम करने से सेहत को कौन से फायदे मिलेंगे

तेल हमारे भोजन का ज़रूरी हिस्सा है, लेकिन जब इसकी मात्रा सीमित न हो, तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

डाइट क्लिनिक में आयुर्वेदिक डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ डॉ. अंजना कालिया, कहती हैं कि अगर हम रोज़ाना खाने में तेल की मात्रा को सिर्फ 10% भी कम कर दें, तो इसके शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। चलिए जानते हैं वो फायदे कौन से हैं?

वजन होता है कमः सबसे पहले, तेल की मात्रा कम करने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। अतिरिक्त तेल से भोजन में अनावश्यक कैलोरी बढ़ती हैं, जो धीरे-धीरे मोटापे का कारण बनती हैं। मोटापा कई बीमारियों की जड़ है, जैसे कि डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज। 10% तेल कम करने से रोज़ के खाने में सैकड़ों कैलोरी कम हो सकती हैं, जो लंबे समय में वजन घटाने में मददगार साबित होती हैं।

दिल होता है सेहतमंदः तेल कम करने का दूसरा बड़ा फायदा हृदय स्वास्थ्य में होता है। अधिक तेल, विशेषकर संतृप्त व ट्रांस फैट वाले तेल, कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करते हैं। इससे धमनियों में ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

बेबी केयर के लिए पेरेंट्स करें ये सवाल, अच्छी होगी बच्चों की देखभाल

नवजात और छोटे बच्चों की देखभाल करना हर माता-पिता के लिए एक नई जिम्मेदारी और सीखने का अनुभव होता है। अक्सर पेरेंट्स इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि वे अपने बच्चे की देखभाल सही तरीके से कर रहे हैं या नहीं। हर बच्चे की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए उसकी दिनचर्या, खानपान, नींद और व्यवहार पर नियमित ध्यान देना बेहद जरूरी है। समय-समय पर खुद से कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछने से पेरेंट्स अपने बच्चे की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उसकी देखभाल में जरूरी बदलाव भी कर सकते हैं। क्या बच्चे की नींद और दिनचर्या सही है? बच्चे के स्वस्थ विकास के लिए पर्याप्त नींद बहुत जरूरी होती है। खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आपका बच्चा अपनी उम्र के अनुसार पर्याप्त नींद ले रहा है और उसकी सोने-जागने की दिनचर्या नियमित है। अगर बच्चा बार-बार जागता है, लगातार चिड़चिड़ा रहता है या नींद पूरी नहीं कर पा रहा है, तो उसकी दिनचर्या पर ध्यान देना जरूरी हो सकता है। एक नियमित स्लीप रूटीन बच्चे को बेहतर आराम और विकास में मदद कर सकती है। यह सोचना भी जरूरी है कि बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार सही और संतुलित आहार मिल रहा है या नहीं। छोटे बच्चों के लिए आहार संबंधी किसी भी बदलाव से पहले बाल रोग विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहता है।

मुंह की अच्छी सेहत के लिए आयुष मंत्रालय ने दी 'गंडूषा' प्रैक्टिस की सलाह, जानें इसके फायदे

आयुष मंत्रालय की ओर से शनिवार को मुंह की सेहत को अच्छा रखने के लिए पारंपरिक उपचार पद्धति गंडूषा की प्रैक्टिस को लेकर जानकारी साझा की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आयुष मंत्रालय ने लिखा, "अपने दिन की शुरुआत गंडूषा से करें, जो एक पुरानी आयुर्वेदिक ओरल केयर प्रैक्टिस है और मुंह की पूरी सेहत में मदद करती है।" मंत्रालय की ओर से लिखा गया, "एक हेल्दी दिनचर्या के हिस्से के तौर पर यह पारंपरिक माउथ रिंस ज्यादा प्यास को रोकने, स्वाद समझने की क्षमता को बेहतर बनाने और नैचुरली मुंह की सफाई बनाए रखने में मदद करता है। इस आसान रोजाना की आदत को अपनाएं और आयुर्वेद के फायदों का अनुभव करें। एक बार में एक ध्यान देने वाली आदत अपनाएं।"

आयुष मंत्रालय ने बीते दिन शुक्रवार को अर्धचक्रासन को लेकर जानकारी साझा की थी। आयुष मंत्रालय की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, "अर्धचक्रासन (हाफ व्हील पोज) रीढ़ की हड्डी की फ्लेक्सिबिलिटी को बेहतर बनाने, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने और बेहतर पोस्चर में मदद करता है। रेगुलर प्रैक्टिस से, सही गाइडेंस में सही तरीके से करने पर, सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस के मैनेजमेंट में भी मदद मिल सकती है।" बीते दिन आयुष मंत्रालय ने नारी बनने से लेकर मां बनने तक एक बैलेंस्ड लाइफस्टाइल के बारे में पोस्ट शेयर किया था। मंत्रालय की ओर से लिखा गया था, "नारी बनने से लेकर मां बनने तक एक बैलेंस्ड लाइफस्टाइल अपनाना मां और बच्चे दोनों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। पूरा आराम, अच्छी साफ-सफाई, रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी और समय पर एंटीनेटल चेक-अप एक हेल्दी प्रेग्नेंसी और बच्चे के जन्म के अच्छे अनुभव में मदद करते हैं।

आयुष मंत्रालय की ओर से आगे लिखा गया था, "आज की छोटी-छोटी, ध्यान देने वाली आदतें आपके और आपके बच्चे के लिए एक हेल्दी कल बनाने में मदद कर सकती हैं।" आयुष मंत्रालय समय-समय पर आयुर्वेद, योग और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों से जुड़ी जानकारियां साझा करता है, जिनका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। मंत्रालय का कहना है कि दैनिक दिनचर्या में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव अपनाकर व्यक्ति अपने समग्र स्वास्थ्य और जीवनशैली में सुधार ला सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गंडूषा (तेल या अन्य उपयुक्त द्रव को कुछ समय तक मुंह में रखकर कुल्ला करने की आयुर्वेदिक प्रक्रिया) का उल्लेख आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। हालांकि, इसके संभावित लाभों पर वैज्ञानिक शोध अभी भी जारी हैं। इसलिए इसे नियमित दंत स्वच्छता का विकल्प नहीं, बल्कि पारंपरिक स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में देखा जाना चाहिए।

नशा मुक्त बाड़मेर अभियान के तहत बड़ी सफलता : एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

बाड़मेर। मुख्यमंत्री के नशा मुक्त राजस्थान संकल्प को साकार करने तथा पुलिस मुख्यालय एवं महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्त बाड़मेर अभियान के तहत बाड़मेर पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना सेड़वा क्षेत्र के गांव गौड़ा में संचालित अवैध एमडी ड्रग्स निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में करीब 2 करोड़ 2 लाख रुपये मूल्य की एमडी ड्रग्स, केमिकल, पाउडर, निर्माण उपकरण एवं 24 लाख 9 हजार 500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य एवं वृताधिकारी चौहटन जेठाराम के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सेड़वा प्रभुराम के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि पुलिस थाना सेड़वा क्षेत्र में पिछले एक वर्ष के दौरान एमडी ड्रग्स की यह चौथी अवैध फैक्ट्री पकड़ी गई है, जो जिले में मादक पदार्थों के नेटवर्क पर पुलिस की लगातार प्रभावी कार्रवाई का प्रमाण है। शुक्रवार 17 जुलाई को आसूचना अधिकारी कांस्टेबल मोहनलाल को सूचना मिली कि गांव गौड़ा निवासी मुकेश कुमार पुत्र बीरबलराम अपने घर के पीछे बने टीनशेड के स्टोर रूम में अवैध एमडी ड्रग्स तैयार कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विशेष पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई।

तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने देखा, स्टोर रूम में एमडी ड्रग्स बनाने की पूरी प्रयोगशाला बनी हुई थी। मौके से पुलिस ने 1 किलो 3 ग्राम एमडी ड्रग्स, 77.176 लीटर रासायनिक केमिकल, 26 किलो 673 ग्राम सफेद पाउडर और 24,09,500 नकद, एमडी निर्माण में प्रयुक्त मशीनें, उपकरण, केमिकल एवं अन्य सामग्री बरामद की है। मौके पर मौजूद अंजू पत्नी मुकेश कुमार निवासी गौड़ा को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी मुकेश कुमार पुत्र बीरबलराम को नामजद कर उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। इस संबंध में पुलिस थाना सेड़वा पर प्रकरण दर्ज कर विस्तृत अनुसंधान किया जा रहा है। एसपी चुनाराम जाट ने कहा कि "नशा मुक्त बाड़मेर" अभियान के तहत पुलिस नशा तस्करों के स्थानीय नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। युवाओं को नशे की दलदल में धकेलने वालों के विरुद्ध किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

उन्होंने आमजन से भी अपील की कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी अथवा निर्माण से संबंधित कोई भी सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रभुराम, एएसआई बाबूलाल, कांस्टेबल मोहनलाल (आसूचना अधिकारी), भोजाराम, गंगाराम, दिनेश कुमार, कालूराम, रामचन्द्र, महिला कांस्टेबल उरमा, हेड कांस्टेबल कमला, महिला कांस्टेबल सोहनी तथा चालक कांस्टेबल आम्बाराम सहित पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद किए गए मादक पदार्थ, रासायनिक पदार्थों और अन्य सामग्री को जब्त कर विधिक प्रक्रिया के तहत सुरक्षित रखा गया है। पुलिस मुख्य आरोपी मुकेश कुमार की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

मुंबई: ईडी ने अशोक खरात और 5 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया, 36 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने आध्यात्मिक प्रथाओं की आड़ में चलाए जा रहे जबरन वसूली रैकेट से जुड़े धन शोधन के आरोप में स्वघोषित धर्मगुरु अशोक कुमार एकनाथ खरात उर्फ कैप्टन बंधु बाबा, उनकी पत्नी और चार अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने खरात, उनकी पत्नी कल्पना खरात और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुंबई की विशेष अदालत (पीएमएलए) में आरोप पत्र दाखिल किया। बयान में कहा गया है कि इस मामले में अब तक 36.90 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त, अटैच या फ्रीज की जा चुकी है। इससे पहले, ईडी ने खरात को 19 मई को पीएमएलए की धारा 19 के तहत धन शोधन के अपराध में गिरफ्तार किया था, और वह अभी भी न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने 15 जुलाई को पीएमएलए, 2002 की धारा 5 के तहत आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद 19.20 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया। पुणे और मुंबई में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अचल संपत्तियों में निवेश किया गया था।

पवन चंदाना और नागा भरत डाका: ऐतिहासिक विक्रम-1 मिशन के पीछे की जोड़ी

नई दिल्ली। वर्ष 2018 में इसरो के दो पूर्व वैज्ञानिकों द्वारा शुरू किया गया एक महत्वाकांक्षी सपना आज भारत के निजी स्पेस सेक्टर की सबसे बड़ी सफलता की कहानी बन चुका है। पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका के नेतृत्व में स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारत का पहला सफल निजी ऑर्बिटल लॉन्च कर इतिहास रच दिया है। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका ने वर्ष 2018 में हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की थी कि सैटेलाइट लॉन्च को भी कमर्शियल फ्लाइट की बुकिंग जितना आसान और किफायती बनाया जा सके। वर्तमान में पवन कुमार चंदाना कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) और नागा भरत डाका चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) के रूप में कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में 1,000 से अधिक प्रोफेशनल्स की टीम रॉकेट डिजाइन, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स और लॉन्च सिस्टम्स पर काम कर रही है। करीब दो दशक पहले पवन कुमार चंदाना ने पहले ही प्रयास में आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास की और आईआईटी खड़गपुर में दाखिला लिया। जहां अधिकांश इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स ने टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में उच्च वेतन वाली नौकरियों का रास्ता चुना, वहीं चंदाना का जुनून स्पेस और रॉकेट थे। इसी जुनून ने उन्हें इसरो तक पहुंचाया, जहां आईआईटी खड़गपुर कैंपस से उनका सीधे चयन हुआ। इसरो में उन्होंने भारत के सबसे शक्तिशाली लॉन्च व्हीकल जीएसएलवी मार्क-3 पर काम किया और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें इसरो का इंटरनल इनोवेशन अवॉर्ड भी मिला। तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में 6 वर्षों तक काम करते हुए उन्होंने रॉकेट डिजाइन और डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव हासिल किया तथा भारत के बढ़ते स्पेस प्रोग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राम मंदिर ट्रस्ट को लेकर निर्मोही अखाड़ा पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, पुनर्गठन और वित्तीय लेन-देन की फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े मामले में निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल की है। अखाड़े का कहना है कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के करीब सात साल बाद भी उसका सही तरीके से पालन नहीं हुआ है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन तो किया, लेकिन इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया गया जिनका राम जन्मभूमि से कोई ऐतिहासिक, धार्मिक या कानूनी संबंध नहीं है। अखाड़े ने यह भी आरोप लगाया है कि ट्रस्ट के कुछ सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, जिससे राम मंदिर की छवि पर असर पड़ा है। निर्मोही अखाड़ा का कहना है कि किसी भी मंदिर का संचालन उसके पारंपरिक सेवायत (शेबैत) के बिना नहीं हो सकता। इसलिए ट्रस्ट में अखाड़े को उचित भूमिका और प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से कई अहम मांगें की गई हैं। इसमें श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में दोबारा गठित करने, ट्रस्टियों की नियुक्ति के लिए साफ नियम बनाने और निर्मोही अखाड़े को उचित जगह देने की मांग शामिल है। इसके अलावा अखाड़े ने कहा है कि मंदिर में सभी पूजा, सेवा और भोग रामानंदी परंपरा के अनुसार कराए जाएं। याचिका में श्री रामलला विराजमान की मूल मूर्तियों को फिर से स्थापित करने की भी मांग की गई है।

पीएमएसए अभियान में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सघन जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

रूपवास (भरतपुर)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसए) के तहत उप जिला चिकित्सालय रूपवास में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सघन स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। क्षेत्र की एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को जांच एवं आवश्यक परामर्श के लिए उप जिला चिकित्सालय लाया गया। अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बुलबुल गुप्ता ने गर्भवती महिलाओं का विस्तृत परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया। इस दौरान महिलाओं को नियमित प्रसवपूर्व जांच, संतुलित आहार, आयरन एवं कैल्शियम की दवाओं का नियमित सेवन तथा किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर डॉ. पुष्पेन्द्र शर्मा, एएनएम निक्की, ममता, नीलम, रेखा, ईश्वरी, इन्द्रजीत, विपिन सहित बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान का उद्देश्य हाई रिस्क गर्भावस्था की समय पर पहचान कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। स्वास्थ्यकर्मियों ने गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्याप्त आराम और पौष्टिक भोजन के प्रति भी जागरूक किया। साथ ही उन्हें समय पर निर्धारित टीकाकरण कराने, चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवाओं का नियमित सेवन करने तथा किसी भी असामान्य लक्षण जैसे अत्यधिक रक्तस्राव, तेज सिरदर्द, सूजन, धुंधला दिखाई देना या भ्रूण की गतिविधि में कमी महसूस होने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि एएनएम, आशा सहयोगिनी और अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी कर रहे हैं तथा उन्हें समय पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने का कार्य भी कर रहे हैं।

पुलिस ने कैसे 2 मिनट में सोनम वांगचुक को मंच से हटाया? जानें अस्पताल ले जाने तक क्या-क्या हुआ

दिल्ली पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। सोनम वांगचुक, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भुख हड़ताल कर रहे थे। उनकी भूख हड़ताल का 21वां दिन था, जब उन्हें पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। भूख हड़ताल की वजह से उनकी सेहत बिगड़ती जा रही थी, जिसके बाद हाई कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि शनिवार सुबह सात बजे पुलिस का ऑपरेशन सफेद चादर शुरू हुआ। भारी पुलिस फोर्स ने जंतर-मंतर को घेर लिया, पुलिसवाले सादी वर्दी में थे। ज्यादातर पुलिसकर्मी सफेद टीशर्ट में थे और उनके हाथ में सफेद चादर थी। इसके बाद सोनम वांगचुक के मंच को कवर कर लिया गया। फिर सादे कपड़ों में पुलिसवाले सफेद चादर लेकर मंच पर चढ़े। मंच पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिस तेजी के साथ आगे बढ़ी। पूरे मंच को सफेद चादर से कवर कर दिया गया। पास में ही एंबुलेंस खड़ी थी, पुलिस ने सोनम वांगचुक को फौरन एंबुलेस में रखा और यहां से सीधे उन्हें लेकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचा दिया गया। सोनम वांगचुक के हटते ही इस पूरे एरिया को पुलिस और RPF ने कवर कर लिया। फिलहाल सोनम वांगचुक सफदरजंग अस्तपाल में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर है। डॉक्टरों की टीम उनकी देखभाल कर रही है। पिछले 20 दिनों से सोनम वांगचुक अनशन पर बैठे थे। उनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही थी। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। बता दें कि दिल्ली में कल ही कमिश्नर बदले गए और आज जंतर-मंतर पर एक्शन हो गया। 20 दिन की भूख हड़ताल 2 मिनट में खत्म हो गई। दरअसल, दिल्ली पुलिस के नए कमिश्नर अनुराग कुमार ने कल कार्यभार संभालते ही नई दिल्ली रेंज के ज्वाइंट CP DCP के साथ सोनम वांगचुक मामले पर बैठक की थी। कल शाम बैठक के बाद आज सुबह-सुबह जंतर मंतर पर दिल्ली पुलिस का एक्शन हो गया। दिल्ली पुलिस सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल लेकर गई है, ताकि ज्यादा प्रदर्शनकारी अस्पताल न पहुंच सकें।

कांवड़ यात्रा में भोजन की पारदर्शिता सुनिश्चित हो, उल्लंघन करने वालों पर हो कार्रवाई: करौली शंकर महादेव

हरिद्वार। नया उदासीन अखाड़े के महामंडलेश्वर करौली शंकर महादेव ने कांवड़ यात्रा के दौरान भोजन व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और विघटनकारी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और विश्वास की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम सराहनीय हैं और सख्ती से इसका पालन कराया जाना चाहिए। महामंडलेश्वर करौली शंकर महादेव ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों की सरकारों ने इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। प्रत्येक व्यक्ति को यह जानने का अधिकार है कि वह क्या खा रहा है और किस प्रकार का भोजन उसे परोसा जा रहा है।

यदि किसी प्रतिष्ठान पर एक प्रकार की पहचान प्रदर्शित की जाए और भीतर अलग प्रकार का भोजन तैयार किया जाए, तो इससे लोगों की धार्मिक आस्था और विश्वास को ठेस पहुंच सकती है। इसी कारण सरकार द्वारा भोजनालयों और दुकानों पर पहचान संबंधी बोर्ड लगाए जाने की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालु अपनी इच्छा और धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप निर्णय ले सकें। करौली शंकर महादेव ने कहा कि ऐसे बोर्ड लगे रहना चाहिए और सरकार को इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराना चाहिए।

राम नगर वार्ड नंबर 44 में 6 साल से अंधेरा, नगर परिषद के चक्कर काट-काटकर घिसी चप्पलें, नहीं लगी एक भी रोड लाइट

दौसा। शहर के राम नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 44 के बाशिंदे पिछले 6 वर्षों से मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं। कॉलोनी में अभी तक एक भी रोड लाइट नहीं लग पाई है, जिससे पूरी कॉलोनी रात के समय अंधेरे में डूब जाती है। इस समस्या को लेकर स्थानीय निवासी रिंकू मीरवाल सहित कॉलोनी के तमाम लोग पिछले 6 साल से लगातार दौसा नगर परिषद के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद में कई बार लिखित प्रार्थना पत्र दिए हैं।

लेकिन हर बार अधिकारी यह बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि 'बिना फेस वायर के रोड लाइट नहीं लगेगी'। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद के इस दोहरे रवैए पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एक तरफ तो वार्ड 44 में फेस वायर न होने की बात कही जा रही है, वहीं दूसरी तरफ नगर परिषद द्वारा शहर के अन्य वार्डों में बिना फेज वायर के ही धड़ल्ले से रोड लाइटें लगाई जा रही हैं, जिसके पुख्ता प्रमाण (फोटोग्राफ्स) भी कॉलोनी वासियों के पास मौजूद हैं।

अंधेरे के कारण आए दिन होने वाली दिक्कतों से परेशान वार्ड वासियों का गुस्सा अब फूटने लगा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद के चक्कर काट-काटकर उनके पैरों की चप्पलें तक घिस चुकी हैं, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415